www.hindmatamirror.com ● वर्ष: 12 ● अंक: 265 ● ठाणे, सोमवार 29 जून, 2026 ● पेज: 8 ● मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक ठाणे **हिंदमाता मिरर**

पैनी नजर, पुख्ता खबर

दिशा पाटनी का सिजलिंग अंदाज

पेज 8

कंगना शर्मा ने ढहाया कहर

8 पेज

सुप्रभात

जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी हैं, तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूं जो उनके बल पर शिक्षित बना और अब उनकी ओर ध्यान नहीं देता। - **विवेकानंद**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (29 जून) 7:19 बजे, सूर्योदय (30 जून) 6:04 बजे, **तापमान: 29 डिग्री से. (बारिश।)**

शॉर्ट स्टोरी

मेरे पंख नहीं हैं, काटने का सवाल ही नहीं उठता

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को शिवसेना (उबाठा) के नेता उद्धव ठाकरे की 'ऑपरेशन देवेंद्र' वाली टिप्पणी को तवज्जो न देते हुए कहा कि उनके पास राज्य के 14 करोड़ लोगों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद है, इसलिए कोई भी उनके पंख नहीं काट सकता। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अपने पूर्व सहयोगी और अब प्रतिद्वंद्वी उद्धव ठाकरे के साथ मुंबई से नागपुर के लिए एक ही विमान में यात्रा करने के बाद शुरू हुईं राजनीतिक अटकलों को भी खारिज कर दिया और इसे महज एक इत्तेफाक बताया। फडणवीस ने कहा कि यह महज एक इत्तेफाक था। इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है।

कांग्रेस ने ठाणे में 'छात्रों की गूंज' प्रदर्शन किया

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

कांग्रेस ने परीक्षा प्रणाली में सुधार करने और प्रश्नपत्र लीक के मुद्दों के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ अपने देशव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत ठाणे शहर में प्रदर्शन किया। ठाणे कांग्रेस प्रमुख राहुल पिंगले के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने देशभर के चिकित्सा महाविद्यालयों के स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिला लेने हेतु अनिवार्य राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की। पिंगले ने कहा कि बार-बार प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाओं में देरी और परीक्षा माफिया के सक्रिय होने से लाखों मेहनती छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है।

पत्नीहंता दोषी युवक को आजीवन कारावास

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

ठाणे जिले की एक अदालत ने 2020 में घरेलू विवाद के दौरान पत्नी को जलाकर मारने के मामले में 32 वर्षीय व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बी. डी. शेलके ने शुक्रवार को कल्याण निवासी शाहिर देवराम पारखे को आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 5,000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत ने मामले की एक प्रमुख प्रत्यक्षदर्शी के बयान से मुकर जाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए उसके खिलाफ झूठी गवाही के आरोप में मुकदमा चलाने का भी आदेश दिया। अभियोजन पक्ष ने 10 गवाहों के बयान दर्ज कराए।

झूठे दावे करने पर विधि छात्रा को फटकार लगाई

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने कम हाजिरी की वजह से परीक्षा में बैठने से रोके जाने के विश्वविद्यालय के फैसले को चुनौती देने वाली एक विधि छात्रा को लापरवाह और गैर-जिम्मेदाराना बयान देने के लिए फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि न्याय का मतलब यह नहीं है कि मैं जो चाहूं और जैसे चाहूं, वैसा हो। न्यायमूर्ति विभा कंकनवाड़ी और न्यायमूर्ति अजित कदेथंकर की औरंगाबाद पीठ ने 23-वर्षीय एक युवती की याचिका खारिज कर दी। पीठ ने कहा कि झूठे दावों के जरिए अपनी गलतियों को छिपाने की उसकी कोशिश कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है, जिससे कानूनी पेशे में उसका करियर खतरे में पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री ने किया पांच मेगा परियोजनाओं का निरीक्षण

अर्थव्यवस्था भरेगी उछाल

● वाढवण बंदरगाह, बुलेट ट्रेन, नया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, नारिंगी खाड़ी पुल और उत्तन-विरार समुद्री सेतु से बदलेगी तस्वीर

बिपिन तिवारी @ पालघर

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को पालघर जिले का दौरा कर महाराष्ट्र के विकास के लिए मील का पत्थर मानी जाने वाली पांच प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इन परियोजनाओं में वाढवण बंदरगाह, बुलेट ट्रेन, नया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, नारिंगी खाड़ी पुल और उत्तन-विरार समुद्री सेतु शामिल हैं। प्रशासनिक तत्परता दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए जरूरी निर्देश दिए हैं, ताकि मुंबई महानगर क्षेत्र को एक महा-आर्थिक क्षेत्र के रूप में स्थापित किया जा सके।

नए बंदरगाह और एयरपोर्ट से बढ़ेगी रफ्तार

मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) को आने वाले वर्षों में परिवहन और बुनियादी ढांचे का एक अभूतपूर्व मल्टी-इन्फ्रा बूस्ट मिलने जा रहा है। पालघर जिले में आकार ले रहीं ये पांच मेगा परियोजनाएं एमएमआर की कनेक्टिविटी की तस्वीर को पूरी तरह से बदल देंगी। नए बंदरगाह, हवाई अड्डे, हाई-स्पीड रेल और समुद्री सेतुओं के इस एकीकृत नेटवर्क से न केवल यात्रा का समय घटेगा, बल्कि क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भारी बढ़ोतरी होने से अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी वृद्धि होगी। इन ढांचागत बदलावों के पूरा होने से मुख्य मुंबई शहर पर से जनसंख्या और यातायात का भारी दबाव भी काफी हद तक कम हो जाएगा।

60 महीनों में बन जाएगा वाढवण बंदरगाह!

पालघर के चिंचणी समुद्र तट पर प्रस्तावित वाढवण ग्रीनफील्ड बंदरगाह एमएमआर के औद्योगिक परिदृश्य को एक नई दिशा देगा। लगभग 76,220 करोड़ रुपए की भारी लागत से 1,448 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होने वाला यह नेक्स्ट जेनरेशन गहरा समुद्री बंदरगाह अगले 60 महीनों में बनकर तैयार हो जाएगा। यह बंदरगाह जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) के पूरक के तौर पर काम करेगा, जिससे वैश्विक निर्यात का खर्च और समय घटेगा। इसके शुरू होने से विनिर्माण और पैकेजिंग उद्योगों का एक नया गलियारा तैयार होगा, जो लाखों की संख्या में अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

एमएमआर का तीसरा बड़ा विमानन केंद्र

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ रहे यात्री और माल ढुलाई के दबाव को कम करने के लिए पालघर में नया वाढवण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रस्तावित है। यह हवाई अड्डा विशिष्ट माल ढुलाई गलियारे (डीएफसीसी), बुलेट ट्रेन और मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे के करीब होने के कारण एमएमआर का तीसरा बड़ा विमानन केंद्र बन जाएगा। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत बोईसर स्टेशन के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। इस स्टेशन के बनने से मुंबई के बीकेसी (बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स) से पालघर तक की दूरी महज कुछ मिनटों में सिमट जाएगी।

नारिंगी खाड़ी पुल और उत्तन-विरार सी-लिंक बचाएंगे समय

सड़क यातायात को सुगम बनाने के लिए दो बड़े पुलों का निर्माण किया जा रहा है, जिनका सीधा फायदा आम नागरिकों को मिलेगा। लगभग 850 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला 4.10 किलोमीटर लंबा नारिंगी खाड़ी पुल वसई-विरार को सफाले, पालघर और बोईसर से सीधे जोड़ेगा। इससे यात्रा की दूरी 40 किलोमीटर और समय लगभग 45 मिनट कम हो जाएगा। इसके अलावा, लगभग 58,754.51 करोड़ रुपए की लागत वाला छह लेन का उत्तन-विरार समुद्री सेतु दक्षिण मुंबई से अहमदाबाद तक के सफर को बेहद तेज और सुरक्षित बनाएगा, जिससे एमएमआर के भीतर श्रम गतिशीलता बहुत आसान हो जाएगी।

एमएमआर का होगा सर्वांगीण विकास

इन सभी ढांचागत परियोजनाओं के कारण मुंबई में जमीन की कमी और महंगी कीमतों की समस्या का स्थायी समाधान भी निकलेगा। यातायात व्यवस्था मजबूत होने से विरार, बोईसर और पालघर के इलाके किफायती आवास के नए केंद्रों के रूप में विकसित होंगे, जहां मुंबई के कामकाजी वर्ग को सस्ते घर और बेहतर जीवन स्तर मिल सकेगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस अहम दौरे के दौरान वन मंत्री गणेश नाईक, मत्स्य व्यवसाय मंत्री नितेश राणे, सांसद डॉ. हेमंत सवरा, जेएनपीए अध्यक्ष गौरव दयाल सहित अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

टीईटी पेपर लीक मामले में एक्शन, दिल्ली से पेपर बेचने आए थे भिवंडी

तीनों आरोपियों को 8 दिन की पुलिस कस्टडी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में पेपर लीक के बाद रविवार 28 जून को होने वाली टीईटी परीक्षा रद्द कर दी गई है, तो वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पेपर लीक की जांच के लिए ठाणे के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर पंजाबराव उगले की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करने के आदेश दिए हैं। इस बीच टीईटी पेपर लीक केस के आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद उन्हें 8 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। आरोपियों के पास टीईटी पेपर मिला था। पुलिस को शक है कि अभी दो आरोपी फरार हैं। भिवंडी पुलिस ने टीईटी पेपर मामले में 3 आरोपियों को अरेस्ट किया है लेकिन माना जा रहा है कि पेपर लीक का मास्टरमाइंड अब भी फरार है। राज्यभर में 28 जून को आयोजित होने वाली टीईटी परीक्षा से ठीक पहले कोनगांव पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बिहार निवासी राजीव शाव (45), आकाश कुमार (30) तथा हरियाणा निवासी धीरज सिंह (28) को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से टीईटी परीक्षा के चार प्रश्नपत्र सेट बरामद किए गए, जिन्हें कथित तौर पर करीब 1.5 करोड़ रुपए में बेचने की तैयारी थी। इस खुलासे के बाद महाराष्ट्र सरकार ने पूरी टीईटी परीक्षा स्थगित कर दी थी, जिससे लाखों अभ्यर्थियों को भारी निराशा का सामना करना पड़ा।

दल-बदल एक बड़ी साजिश का हिस्सा: उद्धव ठाकरे

बीजेपी को बताया 'बाबर जनता पार्टी'

● बागी सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग की

हिंदमाता नेटवर्क @ परभणी

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को पार्टी के उन छह सांसदों को तुरंत अयोग्य घोषित करने की मांग की जो हाल ही में एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल हो गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका पाला बदलना एक बड़ी राजनीतिक साजिश का हिस्सा था। परभणी में एक रैली को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष को दल-बदल के मामले में कानून का पालन करना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का केंद्रीय नेतृत्व सुनियोजित तरीके से अपने ही राज्य के नेताओं के 'पर कतर रहा है'। उन्होंने राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के मुद्दे पर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक फायदे के लिए मंदिर का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए उसे 'बाबर जनता पार्टी' करार दिया। उन्होंने सवाल किया, बाबर ने राम मंदिर को तोड़ा था। अब एक 'बाबर जनता पार्टी' नए बने मंदिर को लूटने आई है। उनमें क्या अंतर है? इस हफ्ते की शुरुआत में शिवसेना (उबाठा) के छह बागी लोकसभा सदस्य उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली सत्ताधारी शिवसेना में शामिल हो गए। उन्होंने 2024 के आम चुनावों में भाजपा और शिवसेना के उम्मीदवारों को हराया था। शिवसेना (उबाठा) ने 2024 में महाराष्ट्र में नौ लोकसभा सीट जीती थीं। ठाकरे ने उन चुनाव क्षेत्रों का दौरा किया है जिनका प्रतिनिधित्व बागी सांसद करते हैं। बागी सांसदों में से एक, संजय जाधव, परभणी से हैं।

छह सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए

ठाकरे ने बताया कि शिवसेना (उबाठा) के वफादार सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को औपचारिक पत्र सौंपकर अपना पक्ष रखने का मौका मांगा है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष द्वारा सुनवाई की तारीख पहले कर दिए जाने के बाद पार्टी सांसद अरविंद सावंत को कारगिल का अपना आधिकारिक दौरा बीच में ही छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा, अगर इस देश में कानून का राज है, तो इन छह सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। मुझे अब भी लोकसभा अध्यक्ष पर भरोसा है क्योंकि अगर वह खुद कानून का पालन नहीं करेंगे, तो दूसरों से ऐसा करने के लिए नहीं कह सकते। हम उनके अधिकार का सम्मान करते हैं, उनकी इच्छाओं का नहीं।

ऑपरेशन टाइगर को ऑपरेशन देवेंद्र बताया

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख ने आरोप लगाया कि दल-बदल एक बड़ी राजनीतिक चाल का हिस्सा था, जिसे उन्होंने 'ऑपरेशन देवेंद्र' नाम दिया। उद्धव ने कहा कि इसका मकसद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को किनारे करना था, ठीक वैसे ही जैसे पार्टी ने अतीत में दूसरे नेताओं के साथ किया है। उन्होंने आरोप लगाया, यहां (परभणी में) लोगों ने मोदी लहर के खिलाफ वोट दिया। अब जो सांसद उस लहर के खिलाफ जीता था, वह दूसरी तरफ चला गया है। यह सिर्फ बगावत नहीं, बल्कि एक बड़ी राजनीतिक चाल है।

इस्तेमाल के बाद उन्हें फेंक दिया जाएगा

ठाकरे ने दावा किया कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व प्रधानमंत्री पद के संभावित दावेदारों को किनारे कर देता है। उन्होंने इसके उदाहरण के तौर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी और फडणवीस का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में साथ-साथ विमान यात्रा के दौरान फडणवीस 'बेबस' दिखे क्योंकि उनके अपने ही बॉस उनके पर कतर रहे थे। एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में उपमुख्यमंत्री का कोई भविष्य नहीं है और इस्तेमाल के बाद उन्हें फेंक दिया जाएगा।

भाजपा ने हिंदुत्व की विचारधारा से किया विश्वासघात

शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अयोध्या के राम मंदिर का व्यावसायीकरण करने और हिंदुत्व की विचारधारा से विश्वासघात करने का आरोप लगाया। ठाकरे ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है, जब उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के आरोपों की जांच जारी है। महाराष्ट्र में भाजपा नीत सत्तारूढ़ गठबंधन पर हमला तेज करते हुए ठाकरे ने कहा कि अब गद्दारों की जड़ों पर प्रहार करने का समय आ गया है। उनका यह बयान शिवसेना (उबाठा) के उन बागी लोकसभा सदस्यों की ओर इशारा था, जिन्होंने सत्तारूढ़ शिवसेना का दामन थाम लिया है।

प्लेन में सफर करना राजनीतिक मुद्दा नहीं : फडणवीस

उद्धव ठाकरे के साथ फ्लाइट में सफर करने के मुद्दे पर सीएम फडणवीस ने कहा कि मेरे लिए राजनीतिक मुद्दे सेकेंडरी हैं। राजनीतिक मुद्दों से किसी को फायदा नहीं होगा, सभी मुद्दों का हल विकास से होगा। अगर हम फ्लाइट में साथ बैठते हैं, तो इस पर इतनी चर्चा क्यों करें? साथ ही उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे एक तरफ बैठे थे और मैं दूसरी तरफ, लेकिन अगर हम एक-दूसरे के बगल में बैठते तो हम बातें करते और क्या ? देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मेरी आदत है कि प्लेन में बैठने के बाद मैं अपने मोबाइल पर डाउनलोड की गई वेब सीरीज देखता हूं।

अब गद्दारों की जड़ों पर प्रहार करने का समय आ गया

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने कहा कि अब गद्दारों की जड़ों पर प्रहार करने का समय आ गया है। उन्होंने मतदाताओं से भविष्य के चुनावों में शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के उम्मीदवारों को हराने की अपील की। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख ने कहा, राज्य को बचाने के लिए लोगों को एकजुट होकर एकनाथ शिंदे गुट के उम्मीदवारों को हराना चाहिए। जिन्होंने पाला बदला, उन्होंने निजी स्वार्थ के लिए ऐसा किया। शिवसेना (उबाठा) के भीतर मतभेदों की अटकलों को खारिज करते हुए ठाकरे ने कहा कि हर राजनीतिक दल में गुटबाजी होती है, लेकिन उनकी पार्टी में यह कोई समस्या नहीं है।

एकनाथ शिंदे की नजर गोवा पर!

गोवा विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है शिंदे की शिवसेना

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

गोवा विधानसभा चुनाव 2027 की शुरुआत में होने हैं, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि ये चुनाव 2026 के दूसरे हिस्से में हो सकते हैं। इस मौके पर, डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे की लीडरशिप वाली शिवसेना भी आने वाले गोवा विधानसभा चुनाव लड़कर राज्य में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। महाराष्ट्र के बाहर अपनी पहली राजनीतिक सफलता हासिल करने के लिए, शिंदे सेना ने गोवा की 40 में से 30 सीटों पर चुनाव लड़ने का प्लान बनाया है। मिली जानकारी के मुताबिक, चर्चा है कि डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने गोवा में तैयारी शुरू कर दी है, और यह छलांग शिंदे सेना को उसकी सहयोगी बीजेपी के खिलाफ खड़ा करेगी। फिलहाल, गोवा में बीजेपी सत्ता में है।

शिवसेना की चुनावी व्यूह रचना

शिंदे सेना ने मिशन गोवा विधानसभा की जिम्मेदारी पूर्व लोकसभा सांसद गजानन कीर्तिकर और मुंबई के पूर्व कॉर्पोरेटर दिलीप नाईक और राजू पेडणेकर को दी है। पेडणेकर को नॉर्थ गोवा और नाईक को साउथ गोवा की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी 'भूमिपुत्रों' के मुद्दे पर फोकस करेगी और हिंदू और मराठी बोलने वाले वोटरों को लुभाने की कोशिश करेगी। शिवसेना (अविभाजित) का कोई कैंडिडेट महाराष्ट्र के बाहर असेंबली में चुने जाने का एकमात्र मामला 1991 का है, जब राम मंदिर आंदोलन अपने पीक पर था तब पवन कुमार पांडे उत्तर प्रदेश की अकबरपुर सीट से जीते थे।

शिवसेना को 2022 में कितने वोट मिले?

2022 के चुनावों में अविभाजित शिवसेना ने एनसीपी के साथ मिलकर गोवा में 10 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे थे। तब एनसीपी ने 13 सीटों पर चुनाव लड़ा था। उस समय शिवसेना को कुल वोटों का सिर्फ.0.18 प्रतिशत (1,726 वोट) मिला था। अब देखना है कि शिंदे इस बार गोवा में क्या कमाल करते हैं।

सांस्कृतिक संबंध और एक नई शुरुआत

महाराष्ट्र और गोवा राज्यों के बीच मजबूत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। गोवा के मराठीभाषी हिंदू मुंबई और अन्य जगहों पर शिवसेना के साथ खड़े रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी)` नेता सांसद अनिल देसाई, सांसद संजय पोतनीस और पूर्व विधायक प्रकाश फातरपेकर मूल रूप से गोवा के हैं।

केतन अग्रवाल हत्या मामला

पुलिस ने पुतले की मदद से सिया गोयल के साथ घटनाक्रम दोहराया

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुलिस पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की कथित हत्या की आरोपी एवं उनकी मंगेतर सिया गोयल को रविवार को लोहागढ़ किले लेकर गई जहां पुतले का इस्तेमाल कर अपराध स्थल पर घटनाक्रम दोहराया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, इस प्रक्रिया का उद्देश्य 18 जून के सटीक घटनाक्रम का पता लगाना है। आरोप है कि 20 वर्षीय सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी (22) ने 25 वर्षीय अग्रवाल को किले से धक्का देकर उनकी हत्या कर दी थी।

घटनाक्रम दोहराया गया

पुणे ग्रामीण पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, आज सुबह अपराध स्थल पर घटनाक्रम दोहराया गया। आरोपी को उस वास्तविक स्थान पर ले जाया गया जहां घटना हुई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक पुतला तैयार किया और गोयल से यह दिखाने को कहा कि उसने केतन को उस स्थान से कैसे धक्का दिया था। गोयल ने अपराध स्थल तक पहुंचने के लिए उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया रास्ता भी बताया।

चौधरी को भी लोहागढ़ ले जाया जाएगा

अधिकारी ने कहा कि चौधरी को भी इसी तरह घटनाक्रम दोहराने के लिए अलग से किले में ले जाया जाएगा। गोयल और चौधरी को अग्रवाल की हत्या की साजिश रचने और उन्हें पुणे जिले के लोहागढ़ किले से धक्का देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

हिंदमाता एंकर: एनसीबी की रिपोर्ट बताती है कि ड्रोन के अलावा तस्कर पोस्टल और कूरियर नेटवर्क का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, 2025 में ऐसे 174 मामले दर्ज हुए, जिनमें करीब 972 किलो मादक पदार्थ बरामद किए

अब जमीन नहीं आसमान का सहारा ले रहे हैं तस्कर, पांच साल में 100 गुना बढ़ी ड्रोन से ड्रग तस्करी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत की ड्रग तस्करी के तरीके तेजी से बदल रहे हैं। पहले जहां सीमा पार से नशे की खेप सुरंगों, मानव नेटवर्क या वाहनों के जरिए भेजी जाती थी, वहीं अब ड्रोन सबसे बड़ा माध्यम बनकर उभरे हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एसीबी) की 2025 की रिपोर्ट बताती है कि ड्रोन के जरिए ड्रग्स की तस्करी अब भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है।

पांच साल में 100 गुना बढ़े ड्रोन वाले मामले

एनसीबी के अनुसार, 2021 में ड्रोन के जरिए ड्रग तस्करी के केवल तीन मामले दर्ज हुए थे। 2024 में जहां इनकी संख्या बढ़कर 179 हो गई, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 305 हो गई। यानी पांच वर्षों में करीब 100 गुना बढ़ोतरी हुई। इस दौरान ड्रोन के जरिए बरामद मादक पदार्थों की मात्रा भी पिछले साल की तुलना में 98 प्रतिशत बढ़कर 468 किलोग्राम तक पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक यह अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। इन ड्रोन के जरिए मुख्य रूप से हेरोइन और अफीम जैसी मादक पदार्थों की खेप भारत भेजी जा रही थी।

आखिर ड्रग तस्कर ड्रोन का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं?

रिपोर्ट बताती है कि ड्रोन ने सीमा पार तस्करी के पुराने तरीकों की जगह ले ली है। ड्रोन कम समय में सीमा पार कर सकते हैं, इनमें ड्रग्स की छोटी लेकिन बेहद शुद्ध खेप भेजी जा सकती है और इन्हें पकड़ना भी पहले के मुकाबले ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है। यही वजह है कि सुरक्षा एजेंसियों के सामने यह एक नई तकनीकी चुनौती बन गई है।

कौन सा राज्य बना ड्रग का सबसे बड़ा निशाना?

ड्रोन से जुड़े 305 मामलों में से 298 मामले अकेले पंजाब में दर्ज किए गए। भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे पंजाब के अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और गुरदासपुर जैसे जिले ड्रोन तस्करी के सबसे बड़े हॉटस्पॉट बनकर उभरे हैं। इन ड्रोन के जरिए मुख्य रूप से हाई-प्योरिटी हेरोइन और मेथामफेटामाइन की खेप भेजी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत-पाकिस्तान सीमा अब इस हवाई तस्करी का सबसे बड़ा केंद्र बन चुकी है।

सिर्फ ड्रोन ही नहीं, तस्करी के तरीके भी बदल रहे हैं

एनसीबी की रिपोर्ट बताती है कि ड्रोन के अलावा तस्कर पोस्टल और कूरियर नेटवर्क का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। 2025 में ऐसे 174 मामले दर्ज हुए, जिनमें करीब 972 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए। वहीं डार्कनेट के जरिए ड्रग्स की तस्करी के 2021 से 2025 के बीच 110 मामले सामने आए, जिससे साफ है कि तस्करी लगातार नई तकनीकों का सहारा ले रही है।

सिंथेटिक ड्रग्स की फैक्ट्रियां भी बढ़ीं

रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीबी ने 2025 में 30 अवैध सिंथेटिक ड्रग लैब का भंडाफोड़ किया। यह संख्या पिछले तीन वर्षों के कुल मामलों से भी ज्यादा है। इन लैब में मुख्य रूप से मेफेड्रोन, एफेड्रिन और अवैध साइकोट्रॉपिक टैबलेट बनाई जा रही थीं। महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश ऐसे नेटवर्क के प्रमुख केंद्र रहे।

फार्मास्यूटिकल दवाओं का भी हो रहा दुरुपयोग

रिपोर्ट में फार्मास्यूटिकल ड्रग डायवर्जन में भी बड़ा इजाफा दर्ज किया गया है। 2021 से 2025 के बीच इसमें 77 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान बरामदगी 2,43,111 किलोग्राम तक पहुंची और बाद में 2,37,390 किलोग्राम रही। पंजाब में 8.95 लाख से अधिक कोडीन आधारित कफ सिरप की बोतलें जब्त की गईं। इसके अलावा बुप्रेनॉर्फिन, ट्रामाडोल और अल्प्राजोलम जैसी दवाओं की अवैध सप्लाई भी बड़े पैमाने पर सामने आई।

भिवंडी में आग का तांडव

दो अलग-अलग घटनाओं में कई गोदाम राख, लाखों का नुकसान

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी इलाके में आग का तांडव का देखने को मिला है, भिवंडी ग्रामीण इलाके में एक ही रात दो अलग-अलग स्थानों पर भीषण आग लगने की घटनाओं से हड़कंप मच गया। निंबवली और येवई गांव की सीमा में लगी इन आग की घटनाओं में कई गोदाम पूरी तरह जलकर राख हो गए। राहत की बात यह रही कि दोनों घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के मुताबिक, आगजनी की पहली घटना भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र के निंबवली गांव से सामने आई है, निंबवली में रात करीब 3 बजे टायर गोदाम, लकड़ी की वखार और प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और सात से आठ गोदाम इसकी चपेट में आकर पूरी तरह जलकर राख हो गए।

गैस एजेंसी होने की वजह से दहशत में आए लोग

घटनास्थल के पास गैस एजेंसी होने के कारण कुछ समय तक इलाके में दहशत का माहौल रहा। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

येवई गांव में आग ने मचाया तांडव

इसी रात दूसरी घटना भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र के येवई गांव में हुई, जहां लकड़ी की एक वखार में भीषण आग लग गई। गोदाम में बड़ी मात्रा में लकड़ी का भंडारण होने के कारण आग तेजी से फैल गई और पूरी वखार जलकर राख हो गई। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाया गया।

आगजनी की घटना में 15-20 लाख के नुकसान का अनुमान

भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र के येवई गांव में हुई आगजनी की घटना को लेकर गोदाम के मालिक शोएब दोस्त मनियार के मुताबिक, "कुछ लोगों ने हमें बताया कि करीब आधे घंटे पहले आग लगी। यह लकड़ी और प्लास्टिक के पैलेट बनाने और उन्हें स्टोर करने का कारोबार है। हमें लगभग 15-20 लाख का नुकसान हुआ है।"

शिवराज्याभिषेक समारोह में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का ऐलान

• रायगढ़ किले के लिए जलापूर्ति योजना मंजूर

हिंदमाता नेटवर्क @ रायगढ़

रायगढ़ शिवराज्याभिषेक दिनोत्सव समिति और कोकणकाडा मित्र मंडल की ओर से आयोजित शिवराज्याभिषेक समारोह में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने रायगढ़ किले में पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए जलापूर्ति योजना को मंजूरी देने की घोषणा की। इसके साथ ही किसानों और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर भी अपना पक्ष स्पष्ट किया।

रायगढ़ किले की जल समस्या का होगा समाधान

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रायगढ़ किले में लंबे समय से पानी की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती रही है। इसे देखते हुए सरकार ने जलापूर्ति योजना को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। इस परियोजना के पूरा होने से किले पर आने वाले पर्यटकों, श्रद्धालुओं और स्थानीय व्यवस्थाओं को पर्याप्त जल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

किसानों को हर परिस्थिति में मिलेगा सरकार का साथ

एकनाथ शिंदे ने कहा कि यदि इस वर्ष अपेक्षा के अनुरूप बारिश नहीं होती और किसानों के सामने कठिन परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं, तब भी महायुति सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों के हितों की रक्षा और कृषि क्षेत्र को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार हरसंभव कदम उठाएगी।

लाडकी बहीन योजना जारी रहने का भरोसा

समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि लाडकी बहीन योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता बंद नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और इस योजना का लाभ पात्र महिलाओं को लगातार मिलता रहेगा।

रायगढ़ को बताया स्वाभिमान का प्रतीक

अपने संबोधन में एकनाथ शिंदे ने रायगढ़ किले को केवल एक ऐतिहासिक स्मारक नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि रायगढ़ की पवित्र धरती पर खड़े होकर हर व्यक्ति के मन में ऊर्जा, प्रेरणा और राष्ट्रभक्ति का भाव जागृत होता है। उनके अनुसार छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत से प्रेरणा लेकर राज्य के विकास और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

शॉर्ट स्टोरी

440 पीड़ितों को लौटा 3.26 करोड़ का माल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

पश्चिम परिमंडल-3 की मुंबई पुलिस ने चोरी, गुमशुदगी, धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों में बरामद 3.26 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य का मुद्देमाल उसके 440 वास्तविक मालिकों को सौंपा। मुद्देमाल हस्तांतरण कार्यक्रम 20 जून को अंधेरी स्थित सेवन हिल्स हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जहां अंधेरी, एमआईडीसी, मेघवाड़ी, जोगेश्वरी, साकीनाका और पवई पुलिस थानों के अंतर्गत बरामद सामान पीड़ितों को वापस किया गया। यह अभियान पुलिस आयुक्त देवेन भारती, सह-पुलिस आयुक्त डॉ. मनोज कुमार शर्मा तथा अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अभिनव देशमुख के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावडे, सहायक पुलिस आयुक्त गजानन पवार, प्रदीप मेराय और संबंधित थानों के अधिकारियों ने अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुद्देमाल वापस मिलने पर लाभार्थियों ने मुंबई पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं, साकीनाका क्षेत्र के कुछ स्थानीय लोगों ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सपान क्षीरसागर की कार्यशैली की भी सराहना करते हुए क्षेत्र में कानून-व्यवस्था में सुधार का दावा किया।

कुर्ला स्कायवॉक शुरू

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

कुर्ला (पश्चिम) स्थित टैक्सीमेन कॉलोनी से श्रीकृष्ण चौक तक सीताराम भैरू मार्ग पर निर्मित स्कायवॉक आखिरकार आम नागरिकों के लिए खोल दिया गया है। इस परियोजना को शुरू कराने में आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली के लगातार पत्राचार और अनुवर्ती प्रयासों की अहम भूमिका रही। उनके प्रयासों से परियोजना की प्रगति और लंबित कार्यों की जानकारी सामने आई, जिसके बाद संबंधित विभागों को शेष कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। स्कायवॉक शुरू होने से प्रतिदिन हजारों पैदल यात्रियों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। विशेषकर बारिश के मौसम में जलभराव के कारण सड़क पार करने में होने वाली परेशानी से लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही पैदल यात्रियों के लिए अलग मार्ग उपलब्ध होने से सड़क पर भीड़ कम होगी, यातायात अधिक सुचारु रहेगा और ट्रैफिक जाम की समस्या में भी कमी आएगी। अनिल गलगली ने मांग की है कि स्कायवॉक के दोनों ओर लगाए गए एस्केलेटर भी जल्द शुरू किए जाएं, ताकि नागरिकों को परियोजना का पूरा लाभ मिल सके।

मनस्वी हॉस्पिटल की नई शाखा

हिंदमाता संवाददाता @ डोंबिवली

बदलती जीवनशैली और लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप व कंप्यूटर पर काम करने से बढ़ रही रीढ़ एवं जोड़ों की समस्याओं के बीच डोंबिवली पूर्व स्थित आईसीआईसीआई बैंक के सामने मनस्वी हॉस्पिटल की नई शाखा का उद्घाटन किया गया। अस्पताल में स्पाइन और जॉइंट संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अस्पताल के अनुसार मरीजों को पहले फिजियोथेरपी, रोबोटिक थेरपी और अन्य गैर-सर्जिकल उपचार दिए जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर ही एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी की जाएगी। नई शाखा में अत्याधुनिक रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट, फास्ट एक्स-रे, आधुनिक ऑपरेशन थिएटर और नवीनतम चिकित्सा उपकरणों की भी सुविधा उपलब्ध है। स्पाइन विशेषज्ञ डॉ. निलेश झोपे ने बताया कि मरीजों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक उपचार उपलब्ध कराना अस्पताल का उद्देश्य है। एक मरीज ने भी इलाज से मिले लाभ का अनुभव साझा करते हुए अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं और देखभाल की सराहना की। नई शाखा शुरू होने से डोंबिवली तथा आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को रीढ़ और जोड़ों के आधुनिक उपचार के लिए महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

देह व्यापार मामले में महिला वकील गिरफ्तार

दो महिलाओं को कराया मुक्त

होटल संचालक की भूमिका भी जांच के दायरे में

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

ठाणे क्राइम ब्रांच की मानव तस्करी निरोधक इकाई ने कल्याण पूर्व के तिसगांव इलाके में कथित देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान दो पीड़ित महिलाओं को मुक्त कराया गया। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर तिसगांव नाका स्थित उडुपी पैलेस होटल में जाल बिछाकर छापा मारा गया, जहां से मनीषा नांदे नामक महिला को हिरासत में लिया गया।

पीटा एक्ट के तहत मामला

पुलिस का आरोप है कि गिरफ्तार महिला 24 और 26 वर्ष की दो महिलाओं को कथित रूप से देह व्यापार के उद्देश्य से होटल में लाई थी। दोनों महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकालकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई। आरोपी के विरुद्ध कोलसेवाड़ी पुलिस थाने में अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम (पीटा एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

न्यायिक हिरासत में भेजी गई

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कल्याण की अदालत में पेश किया गया, जहां पहले उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। बाद में दोबारा पेशी पर अदालत ने उसे 10 तारीख तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

जांच का दायरा बढ़ा

पुलिस जांच में यह जानकारी भी सामने आई है कि आरोपी महिला कल्याण और पनवेल की अदालतों में वकालत का कार्य करती है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि वह कब से इस कथित गतिविधि में शामिल थी। साथ ही, जिस होटल में कार्रवाई की गई, उसके संचालक या अन्य संबंधित लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नवी मुंबई में सिडको का बड़ा एक्शन

बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण ध्वस्त

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

नवी मुंबई में सिडको ने अपनी जमीन पर किए गए अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए नेरुल और करंजडे में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान नेरुल नोड के सेक्टर-6 स्थित जीईएस प्लॉट क्रमांक 170 से 174 तक करीब 600 वर्गमीटर क्षेत्र में बने अनधिकृत निर्माणों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया।

बिना अनुमति बनाए गए थे निर्माण

सिडको के अनुसार संबंधित निर्माण संस्थान की नीतियों और नियमों का उल्लंघन कर बिना किसी आधिकारिक अनुमति के किए गए थे। अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई सिडको के मुख्य सतर्कता अधिकारी सुरेश मेंगडे के निर्देश और मुख्य नियंत्रक प्रशांत भांगरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

करंजडे में भी चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

नेरुल के साथ-साथ पनवेल के अंतर्गत आने वाले करंजडे नोड में भी सिडको ने अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान गैरेज, शेड, ढाबे, पंचर की दुकानें तथा सड़क और फुटपाथों पर किए गए अनधिकृत कब्जों को हटाया गया। अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर नियोजित विकास सुनिश्चित करना था।

भारी अमले की मौजूदगी में हुई कार्रवाई

कार्रवाई के लिए दो पोकलेन मशीनों और 10 श्रमिकों की सहायता ली गई। अभियान के दौरान सिडको अतिक्रमण विभाग के अधिकारी अमित राजपूत के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सिडको से संबद्ध पुलिस बल, महावितरण के कर्मचारी, सिडको के अधिकारी तथा महाराष्ट्र सुरक्षा गार्ड भी मौके पर तैनात रहे।

अवैध निर्माणों पर आगे भी जारी रहेगा अभियान

सिडको ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूखंडों पर अवैध कब्जा और अनधिकृत निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। भविष्य में भी ऐसे निर्माणों के खिलाफ नियमित अभियान चलाकर नियमानुसार कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

मां की मौत का सदमा नहीं सह पाया बेटा

कुछ घंटों बाद फांसी लगाकर दी जान

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे में एक बेटा अपनी मां की मौत का सदमा नहीं सह पाया। मां की मौत के सदमे में कुछ ही घंटे बाद फांसी लगाकर बेटे ने अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद मां और बेटे का एक ही साथ अंतिम संस्कार किया गया। बता दें कि अस्पताल में इलाज करा रही अपनी मां की मौत का सदमा बर्दाश्त न कर पाने के कारण एक 25 साल के लड़के ने शनिवार (27 जून) की सुबह घर पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इन बच्चों के नाम मंदा डोडके (उम्र 50) और साहिल गणेश डोडके (उम्र 25, पार्वती दर्शन के रहने वाले) बताया जा रहा है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। मां-बेटे की मौत के बाद परिजनों का कोहराम मचा हुआ है।

कुछ दिन पहले किराए पर रहने आए थे

डोडके परिवार असल में दांडेकर पूल इलाके का रहने वाला है। वहां झुग्गी पुनर्वास प्रोजेक्ट शुरू होने के कारण, वे कुछ दिन पहले पार्वती दर्शन इलाके में किराए पर रहने आए थे। मंदा डोडके बुजुर्ग मरीजों की देखभाल करती थीं। चार बहनों के बाद पैदा हुआ साहिल इकलौता बेटा था। उसका रूटीन सुबह जल्दी उठकर लोगों के घरों में दूध की थैलियां पहुंचाना और लिफ्ट रिपेयर का काम करना था। गुरुवार सुबह मंदा डोडके को स्ट्रोक आया। साहिल ने उन्हें ससून हॉस्पिटल में भर्ती कराया। हालांकि, उनकी हालत बिगड़ती जा रही थी। घटना वाले दिन साहिल अपनी मां के लिए चाय लेकर हॉस्पिटल गया था। लेकिन, डॉक्टरों ने कहा कि उसकी मां की मौत हो चुकी है। अपनी मां को न बचा पाने के दुख में वह तुरंत घर पहुंचा और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मौत का सदमा नहीं सहन कर पाया बेटा

बता दें कि साहिल की मां को लकवे की दौरा पड़ा था, जिसकी वजह से वे अस्पताल में भर्ती हुई थी। इलाज के दौरान हुई मां की मौत से साहिल को गहरा सदमा लगा। इस दुख को न सहन कर पाने के बाद उसने भी अपनी जिंदगी खत्म कर ली। साहिल का अफसोस था कि वह अपनी मां का नहीं बचा पाया। इसी दुख से आहत होकर साहिल ने ऐसा कदम उठाया। अस्पताल से आने के बाद साहिल ने कमरे में अपने आप को बंद कर लिया। सुबह में जब परिवार ने कमरे का दरवाजा खटखटाया तो वहां से कोई आवाज नहीं सुनाई थी। जिसके बाद परिजनों ने दरवाजे से झांककर देखा तो साहिल फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। दोनों ही मां-बेटों की मौत के बाद उनका एक साथ नम आंखों से परिवार ने अंतिम संस्कार किया।

जाति प्रमाण पत्र अमान्य नगरसेविका का पद रद्द

उल्हासनगर मनपा आयुक्त ने जारी किया आदेश

शिंदे गुट को लगा दूसरा बड़ा झटका

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका की शिवसेना (शिंदे गुट) की नगरसेविका पूजा सचिन भोईर का जाति प्रमाण पत्र अमान्य घोषित होने के बाद उनका नगरसेविका पद रद्द कर दिया गया है। मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने महाराष्ट्र नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों के तहत उन्हें सदस्य पद के लिए अयोग्य घोषित करने का आदेश जारी किया है। इससे पहले इसी दल के नगरसेवक विक्की दर्शन सिंह लबाना का पद भी रद्द हो चुका है।

जाति प्रमाण पत्र अमान्य

जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक-1 (ब) की अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षित सीट से निर्वाचित पूजा भोईर ने भाजपा की प्रत्याशी सुरेखा पारधी को 1,100 से अधिक मतों से हराया था। चुनाव के बाद सत्यापन के लिए प्रस्तुत उनके जाति प्रमाण पत्र की जांच कोंकण भवन, ठाणे स्थित जिला जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति ने की। समिति ने 24 जून 2026 के निर्णय के आधार पर 25 जून को जारी पत्र में 31 जनवरी 2017 का जाति प्रमाण पत्र अमान्य घोषित कर दिया।

राजनीतिक हलचल तेज

राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार जाति प्रमाण पत्र अमान्य पाए जाने पर संबंधित जनप्रतिनिधि को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। इसी आधार पर मनपा आयुक्त ने पूजा भोईर को 24 जून 2026 से महाराष्ट्र नगर निगम अधिनियम की धारा 10(1-ए) के तहत अयोग्य घोषित कर दिया। इस कार्रवाई के बाद उल्हासनगर के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और इसे शिवसेना (शिंदे गुट) के लिए दूसरा बड़ा झटका माना जा रहा है।

जुलाई में खुलेगा ऐरोली-काटई एलिवेटेड रोड का पहला-दूसरा चरण

नवी मुंबई-कल्याण के लाखों यात्रियों को राहत

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे और कल्याण-डोंबिवली के लाखों लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। लंबे समय से निर्माणाधीन ऐरोली-काटई एलिवेटेड रोड परियोजना के पहले और दूसरे चरण को जुलाई महीने में यातायात के लिए खोलने की तैयारी पूरी कर ली गई है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने दोनों चरणों का काम अंतिम दौर में पहुंचने के बाद उन्हें एक साथ शुरू करने की योजना बनाई है। इससे महापे, शिलफाटा, कल्याण फाटा और ठाणे-बेलापुर मार्ग पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है।

परियोजना पूरी होने पर 15 मिनट में दूरी होगी पूरी

करीब 12.71 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूरा होने के बाद ऐरोली और डोंबिवली के बीच की दूरी लगभग 10 किलोमीटर कम हो जाएगी। वर्तमान में 30 से 45 मिनट का समय लेने वाला सफर काफी कम हो जाएगा, जबकि पूरी परियोजना पूरी होने के बाद नवी मुंबई से डोंबिवली की दूरी महज 15 मिनट में तय की जा सकेगी। एमएमआरडीए के अनुसार, ठाणे-बेलापुर रोड से राष्ट्रीय राजमार्ग-4 तक 3.43 किलोमीटर लंबे पहले चरण का 92 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। वहीं ऐरोली से ठाणे-बेलापुर रोड तक 2.57 किलोमीटर लंबे दूसरे चरण का निर्माण कार्य पूरी तरह समाप्त हो चुका है। दोनों चरणों का उद्घाटन कर इन्हें एक साथ यातायात के लिए खोलने की तैयारी की जा रही है।

ठाणे टीडीआर विवाद गरमाया

आव्हाड बोले- 2,800 करोड़ नहीं 4,000 करोड़ की जमीन का मामला

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

टीडीआर विवाद को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि मामला केवल 2,800 करोड़ रुपए के टीडीआर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी आड़ में 94 एकड़ जमीन से जुड़े करीब 4,000 करोड़ रुपए के कथित घोटाले को दबाने की कोशिश की जा रही है। पत्रकार वार्ता में डॉ आव्हाड ने आरोप लगाया कि चितलसर-मानपाड़ा स्थित 194 एकड़ वन भूमि में से 94 एकड़ पर वर्षों से गोदाम, पब, जुआ अड्डे और देह व्यापार जैसे अवैध कारोबार चल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस जमीन का व्यावसायिक इस्तेमाल कर करोड़ों रुपए की कमाई की जा रही है और अब इस भूमि को बेचने की तैयारी है।

संदेह के घेरे में मनपा की भूमिका

आव्हाड ने कहा कि वन विभाग ने 19 जून को संबंधित कंपनी को टीडीआर नहीं देने का पत्र जारी किया है, फिर भी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे मामले में ठाणे महानगरपालिका की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। उन्होंने मांग की कि यदि पूरी 194 एकड़ जमीन जैव विविधता पार्क के लिए आरक्षित है तो पूरे क्षेत्र को उसी उद्देश्य के लिए विकसित किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि इस मामले में जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उनकी पार्टी कोठारी कंपाउंड में आंदोलन करेगी।

आंदोलन की चेतावनी

डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि यदि मामले में जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो उनकी पार्टी कोठारी कंपाउंड में आंदोलन करेगी। उन्होंने सरकार और संबंधित विभागों से पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच कराने तथा यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की।

बीजेपी विधायक सुधीर दादा गाडगीळ सड़क हादसे में घायल

कार के एयरबैग ने बचाई जान

हिंदमाता नेटवर्क @ सांगली

सांगली विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक सुधीर दादा गाडगीळ की कार का रत्नागिरी-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक्सीडेंट हो गया। इस हादसे में विधायक के हाथ में चोट आई है। उन्हें निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया है। वहीं कार के एयरबैग समय पर खुल जाने से बड़ा हादसा टल गया।

कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे विधायक और अंगरक्षक

बताया जा रहा है कि बीजेपी विधायक सुधीर दादा गाडगीळ अपने निजी सहायक, अंगरक्षक, फोटोग्राफर और चालक के साथ चार पहिया वाहन से उगार में एक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। वापसी के दौरान रत्नागिरी-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अंकली की ओर जाते समय वडडी और कृष्णा घाट के बीच अचानक एक मोटरसाइकिल उनकी कार के सामने आ गई। बाइक सवार को बचाने की कोशिश में कार और मोटरसाइकिल की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के एयरबैग तुरंत खुल गए, जिससे विधायक सुधीर गाडगीळ को केवल हाथ की उंगली में मामूली चोट आई और बड़ा हादसा टल गया।

वट सावित्री पूजा से पहले पत्नी पीड़ित पुरुषों ने की पीपल की उल्टी परिक्रमा, उठाई ये मांग

हिंदमाता नेटवर्क @ संभाजीनगर

छत्रपति संभाजीनगर में वट सावित्री पूर्णिमा से एक दिन पहले एक अनोखा कार्यक्रम देखने को मिला। यहां पत्नी पीड़ित आश्रम से जुड़े पुरुषों ने पीपल के पेड़ की पूजा की और उसके चारों ओर 108 उल्टी परिक्रमा की। इस कार्यक्रम में राज्य के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचे पुरुषों ने अपनी शादीशुदा जिंदगी में आने वाली परेशानियों को सामने रखा और सरकार से पुरुषों के लिए अलग व्यवस्था बनाने की मांग की।

पुरुष आयोग और अलग मैकेनिज्म की मांग

कार्यक्रम में शामिल लोगों ने कहा कि उनका मकसद किसी महिला का विरोध करना नहीं है, बल्कि उन पुरुषों की समस्याओं को सामने लाना है जो मानसिक, सामाजिक और कानूनी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से पुरुष आयोग बनाने, पुरुषों से जुड़े मामलों के लिए अलग मैकेनिज्म तैयार करने और झूठी शिकायतों के मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग उठाई। 'पत्नी पीड़ित आश्रम' का दावा है कि वह पिछले 7 सालों से इस तरह का कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

हिंदमाता एंकर: मीरा रोड में हुआ विशाल सखी सम्मेलन

'मिशन दुर्गा' से महिलाओं को मिला सशक्तिकरण का मंत्र

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा रोड

पूनम संत महिला एवं विकास समिति, महाराष्ट्र द्वारा इंदिरा गांधी हॉस्पिटल, मीरा रोड (पूर्व) में विशाल सखी सम्मेलन-2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक, आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उन्हें एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना रहा।

महिला सशक्तिकरण के लिए संगठन की पहल

कार्यक्रम में पूनम संत महिला एवं विकास समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम संत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ राष्ट्रीय संयोजिका ईसाबेल ब्रेडिश, राष्ट्रीय सचिव अभिषेक संत, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष चंद्रावती त्रिपाठी, प्रदेश संयोजिका सुजाता सिंह तथा बड़ी संख्या में पदाधिकारी और महिलाएं मौजूद रहीं। अपने संबोधन में पूनम संत ने कहा कि संस्था 'मिशन दुर्गा', 'बेटी है तो कल है' और 'सखी जोड़ो अभियान' जैसी पहल के माध्यम से महिलाओं और बेटियों को आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने महिलाओं से सामाजिक बदलाव में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। चंद्रावती त्रिपाठी ने महिलाओं से संगठन के सामाजिक अभियानों से जुड़कर समाज सेवा में योगदान देने की अपील की। वहीं, सुजाता सिंह ने कहा कि बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता ही मजबूत एवं विकसित राष्ट्र की सबसे मजबूत नींव है।

'मिशन दुर्गा' अभियान

सम्मेलन में अंजू जैन ने 'मिशन दुर्गा' अभियान की जानकारी दी। विशेषज्ञ सत्र में डॉ. सुरेखा मिचेरी ने ब्रेस्ट कैंसर की समय पर जांच और जागरूकता, एडवोकेट बीना सिंह ने घरेलू हिंसा से जुड़े कानूनी अधिकार तथा साइकोलॉजिस्ट पूनम मेहरा ने मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक संतुलन पर मार्गदर्शन दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक संदेश दिए गए तथा शिक्षा, चिकित्सा, संस्कृति, समाज सेवा, कला और उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन चंदा जैन ने किया, जबकि अंत में प्रदेश कोषाध्यक्ष उपमा शर्मा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

सॉरी बोलने के बाद भी नहीं माना सनकी हमलावर

• दौड़ाकर युवक के पेट में घोंपा चाकू, माहिम स्टेशन के बाहर खूनी खेल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
मायानगरी की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनें एक बार फिर खून से लाल हो गई हैं। अभी कुछ ही दिन पहले ट्रेन का दरवाजा बंद करने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की हत्या का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि माहीम स्टेशन पर एक और रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। महज एक मामूली धक्का लगने और उसके लिए माफी मांगने के बावजूद, एक सरफिरे ने यात्री का पीछा किया और उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। यह खौफनाक घटना गुरुवार, 25 जून की रात करीब 10 बजे की है। माहीम पश्चिम के कुरेशी महल कंपाउंड में रहने वाले 35 वर्षीय नवीन प्रसन्न, जो लोअर परेल की एक निजी कंपनी में ऑफिस बॉय के रूप में कार्यरत हैं, अपना काम खत्म कर घर लौट रहे थे। उन्होंने लोअर परेल से धीमी लोकल पकड़ी और माहीम स्टेशन पर उतरे।

माफी भी नहीं आई काम

माहीम स्टेशन के बाहर पैदल चलते समय नवीन का एक अजनबी व्यक्ति से गलती से धक्का लग गया, जिससे उस व्यक्ति का मोबाइल हाथ से गिर गया। नवीन ने तुरंत अपनी गलती मानते हुए सॉरी कहा और माफी मांगी। गनीमत यह रही कि गिरने के बाद भी मोबाइल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था, लेकिन हमलावर के सिर पर खून सवार था। वह गाली-गलौज और विवाद करने लगा। नवीन ने मामला बढ़ता देख वहां से निकल जाना ही बेहतर समझा और आगे बढ़ गए।

सरेराह खूनी खेल और दहशत

हैरानी की बात यह है कि आरोपी का गुस्सा इतने पर भी शांत नहीं हुआ। उसने नवीन का पीछा करना शुरू कर दिया और सेनापती बापट मार्ग पर अचानक उन पर चाकू से हमला कर दिया। जब नवीन ने मदद के लिए शोर मचाया, तो सनकी हमलावर ने आसपास मौजूद लोगों को भी चाकू दिखाकर धमकाया और वहां से फरार हो गया।

अस्पताल में जिंदगी की जंग

खून से लथपथ नवीन को उनके भाई ने तत्काल सायन के लोकमान्य तिलक नगर पालिका अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है। इस घटना से यात्रियों और स्थानीय लोगों में भारी डर का माहौल है। माहीम पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और स्टेशन परिसर के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। मुंबई लोकल में बढ़ती हिंसा की इन घटनाओं ने सुरक्षा इंतजामों पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

देह व्यापार के धंधे में मराठी फिल्म की लीड एक्ट्रेस!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई पुलिस ने गिरगांव के एक होटल में कथित तौर पर चल रहे देह-व्यापार के रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने दो एक्ट्रेस को रेस्क्यू किया है। इनमें से एक मराठी फिल्मों की लीड एक्ट्रेस है और दूसरी बंगाली और बॉलीवुड फिल्मों में कैमियो रोल कर चुकी है। इस ऑपरेशन के दौरान एक दलाल को रंगे हाथों पकड़ा गया, जो कथित तौर पर सेलिब्रिटीज के साथ काम करने वाला मेकअप आर्टिस्ट है। मुंबई पुलिस ने एक बयान में इसकी जानकारी दी।

■ इससे पहले, इसी साल जनवरी में अनैतिक मानव तस्करी विरोधी विभाग की टीम ने नवी मुंबई के तुर्भे नाका इलाके में स्थित लॉज में चल रहे अवैध देह व्यापार के धंधे का पदार्फाश किया था। टीम ने मौके से सात महिलाओं को मु कराया था। एक मुखबिर से सूचना मिलने के बाद हुई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने इस रैकेट से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। तुर्भे नाका स्थित एक लॉज में ग्राहकों से मोटी रकम वसूलकर महिलाओं से देह व्यापार कराया जा रहा था।

■ पुलिस ने इसकी पुष्टि के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की थी। पुलिस ने एक नकली ग्राहक को लॉज में भेजा और जैसे ही अवैध गतिविधि की पुष्टि हुई, टीम ने तुरंत छापा मार दिया। छापेमारी के दौरान पुलिस को लॉज के कमरों में सात महिलाएं मिलीं, जिन्हें देह व्यापार के लिए रखा गया था। पुलिस जांच में सामने आया था कि आरोपी आपस में मिलीभगत कर महिलाओं को लॉज में ठहराते थे और ग्राहकों को दिखाकर उनकी पसंद के अनुसार सौदा तय किया जाता था। देह व्यापार से प्राप्त रकम को आपस में बांटा जाता था। पुलिस ने नकली ग्राहक से ली गई राशि भी जब्त की थी।

लगातार घट रहा है जलाशयों का जलस्तर

अच्छी बारिश नहीं हुई तो हो सकती है पानी की कटौती

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबईकरों की प्यास बुझाने वाली सातों जलाशयों का जलस्तर तेजी से सिमटत्ता जा रहा है। बीते 24 घंटे में जल भंडार 0.22 फीसदी और घटकर महज 7.31 फीसदी रह गया है। आलम यह है कि अब जलाशयों में केवल 1.05 लाख मिलियन लीटर उपयोगी पेयजल बचा है। यदि अगले कुछ दिनों में जलाशय क्षेत्रों में अच्छी मानसूनी बारिश नहीं हुई, तो मुंबई पर जल कटौती का संकट गहरा सकता है। ऐसे में बीएमसी नागरिकों से पानी का बेहद सोच-समझकर उपयोग करने की अपील कर रही है। मुंबईकरों की प्यास बुझाने वाले सातों जलाशयों का जलस्तर लगातार चिंता बढ़ा रहा है। मानसून की शुरूआत के बावजूद जलग्रहण क्षेत्रों में अपेक्षित बारिश नहीं होने से शहर पर जल संकट के बादल मंडराने लगे हैं। हाइड्रोलिक इंजीनियर विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कुल जल भंडार 0.22 प्रतिशत घटकर 7.31 प्रतिशत रह गया है।

जलाशय क्षेत्रों में नहीं हो रही बारिश

वर्तमान में जलाशयों में केवल 1,05,755 मिलियन लीटर उपयोगी पानी उपलब्ध है। यह स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में काफी खराब है, जब इसी अवधि में जलाशयों में 5,37,788 मिलियन लीटर पानी मौजूद था। ऐसे में आने वाले दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो जल कटौती की नौबत आ सकती है। जलाशय क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश नहीं हो रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान तुलसी जलाशय क्षेत्र में 17 मिमी, मोडक सागर में 10 मिमी, तानसा में 3 मिमी और विहार में 2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मौसम की शुरूआत से अब तक तुलसी क्षेत्र में सबसे अधिक 306 मिमी वर्षा हुई है, जबकि अपर वैतरणा क्षेत्र में सबसे कम 8 मिमी बारिश दर्ज की गई है। दूसरी ओर भातसा में 88 मिमी, तानसा में 98 मिमी और मध्य वैतरणा में 71 मिमी वर्षा हुई है, जो सामान्य से काफी कम मानी जा रही है।

मुंबई को रोज 3900 एमएलडी जलापूर्ति की है जरूरत

बीएमसी के अनुसार मुंबई को प्रतिदिन लगभग 3,900 मिलियन लीटर पानी की आवश्यकता होती है। मौजूदा जल भंडार को देखते हुए पानी का उपयोग बेहद सावधानी से करने की जरूरत है। हालांकि, मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना जताई है, लेकिन जब तक पर्याप्त वर्षा नहीं होती, तब तक जल संकट की आशंका बनी रहेगी।

तो और घट सकता है जलस्तर

यदि अगले कुछ सप्ताह में मानसून ने रफ्तार नहीं पकड़ी, तो जलाशयों का स्तर और नीचे जा सकता है। ऐसे में बीएमसी को पानी की कटौती जैसे कदम उठाने पड़ सकते हैं। फिलहाल मनपा जलाशयों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। अच्छी मानसूनी बारिश ही फिलहाल मुंबई के जल संकट से राहत दिलाने की सबसे बड़ी उम्मीद बनी हुई है। मुंबई को पेयजल उपलब्ध कराने वाले सातों जलाशयों में कुल जल भंडार अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। हालांकि, पिछले 24 घंटों में मध्य वैतरणा और विहार जलाशयों में जलस्तर बढ़ने से कुछ राहत मिली है। मध्य वैतरणा का जलस्तर 0.06 मीटर बढ़कर उपयोगी जल भंडार 21,890 मिलियन लीटर यानी 11.31 फीसदी पर पहुंच गया है, जबकि विहार में 180 मिमी वर्षा के बाद उपयोगी जल भंडार 12,499 मिलियन लीटर यानी 45.13 फीसदी हो गया, जो सातों जलाशयों में सबसे अधिक है।

स्विमिंग पूल में छलांग लगाने के बाद हो गई मौत

छलांग लगाते ही पूल के तल से टकराया सिर

हिंदमाता नेटवर्क @ मालवण

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा एक वीडियो लोगों को झकझोर रहा है। यह घटना महाराष्ट्र के मालवण तालुका के वायरी गांव स्थित एक रिजॉर्ट की बताई जा रही है, जहां 25 वर्षीय श्रेणिक मिलिंद टकले की स्विमिंग पूल में छलांग लगाने के बाद मौत हो गई। वायरल वीडियो में पांच दोस्त स्विमिंग पूल में मस्ती करते और गाने पर रील बनाते नजर आते हैं। तीन दोस्त पूल के अंदर डांस कर रहे हैं, एक किनारे खड़ा है और श्रेणिक पानी में छलांग लगाने की तैयारी करता दिखाई देता है। कुछ ही सेकंड बाद वह पूल में कूदता है, लेकिन यह छलांग उसकी जिंदगी की आखिरी छलांग साबित होती है।

स्विमिंग पूल में छलांग लगाने के बाद हो गई मौत

बताया जा रहा है कि श्रेणिक जिस हिस्से में कूदा, वह बच्चों के लिए बना शैलो पूल था, जिसकी गहराई करीब चार फीट थी। छलांग लगाते ही उसका सिर पूल के तल से टकरा गया और उसे गंभीर चोट आई। वीडियो में यह भी दिखाई देता है कि शुरूआती कुछ सेकंड तक उसके दोस्तों को हादसे का अंदाजा नहीं होता और वे मस्ती में लगे रहते हैं। बाद में जब उन्हें कुछ गड़बड़ी महसूस होती है तो वे तुरंत उसके पास पहुंचते हैं और अस्पताल ले जाते हैं। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लाखों लोग इसे देख चुके हैं।

छलांग लगाते ही सिर पूल के तल से टकरा गया

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई यूजर्स का कहना है कि पूल में छलांग लगाने से पहले उसकी गहराई की जानकारी होना बेहद जरूरी है। वहीं कुछ लोगों ने रील बनाने के दौरान सुरक्षा को नजरअंदाज करने पर चिंता जताई। कई यूजर्स ने यह भी सवाल उठाया कि हादसे के बाद दोस्तों को स्थिति समझने में इतना समय क्यों लगा। हालांकि, वायरल वीडियो से यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता कि यदि तुरंत मदद मिलती तो परिणाम अलग होता। यह घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि मनोरंजन और सोशल मीडिया कंटेंट बनाते समय सुरक्षा नियमों की अनदेखी कभी नहीं करनी चाहिए।

प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या

झूठी कहानी रचकर पुलिस को किया गुमराह

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड का मामला अभी ताजा ही है कि महाराष्ट्र के सांगली जिले में प्रेम संबंधों में बाधा बन रहे पति की हत्या पत्नी ने अपने प्रेमी की मदद से कर दी। चौंकाने वाली बात यह रही कि हत्या के बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए पत्नी ने झूठी कहानी भी रची, लेकिन पुलिस को शक होने पर जांच का रुख बदला गया और पूरे मामले का पदार्फाश हो गया। इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पल्लवी सर्जे और उसके प्रेमी दीपक आजमाने के रूप में हुई है, जबकि मृतक का नाम आनंदा सर्जे है। आनंदा एक कपड़ा दुकान में काम करता था। उसी दुकान में दीपक भी नौकरी करता था। इसी दौरान दीपक और आनंदा की पत्नी पल्लवी के बीच प्रेम संबंध बन गए।

नींद में मौत का झूठा दावा

पुलिस के अनुसार, आनंदा को शराब की लत थी और वह नशे की हालत में अक्सर पत्नी के साथ मारपीट करता था तथा उसका मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न करता था। इसी वजह से पल्लवी और उसके प्रेमी दीपक ने आनंदा की हत्या की साजिश रची।

जांच में निकला गला दबाकर हत्या का सच

घटना वाले दिन आनंदा की मौत को स्वाभाविक दिखाने के लिए यह कहानी बनाई गई कि उसकी नींद में ही मृत्यु हो गई। शुरूआत में परिजनों और पड़ोसियों को भी यह प्राकृतिक मौत लगी। हालांकि, कुछ परिस्थितियां संदिग्ध लगने पर पुलिस ने जांच की दिशा बदल दी। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों के बयानों में विरोधाभास मिला। इसके बाद तकनीकी साक्ष्यों और अन्य जांच के आधार पर खुलासा हुआ कि आनंदा की गला दबाकर हत्या की गई थी।

रोहित शेट्टी को फिर मिली जान से मारने की धमकी

20 करोड़ की कथित रंगदारी मांगने का आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बॉलीवुड के मशहूर एक बार फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी को फिर जान से मारने की, धमकी मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। अज्ञात कॉलर ने कथित तौर पर उनसे 20 करोड़ रुपए की भारी-भरकम फिरौती मांगी है। धमकी देने वाले ने साफ कहा है कि अगर मांग पूरी नहीं हुई, तो इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस फिरौती और धमकी भरे कॉल के बाद से ही हिंदी फिल्म इंडस्ट्री (बॉलीवुड) में भारी हड़कंप मच गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए रोहित शेट्टी की टीम ने मुस्तैदी दिखाई, और तुरंत मुंबई पुलिस से संपर्क कर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मचा हड़कंप

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर और उनके ऑफिस के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को बेहद कड़ा कर दिया है। फिलहाल पुलिस की क्राइम ब्रांच और सायबर सेल तकनीकी सबूतों, कॉल रिकॉर्ड और लोकेशन ट्रैकिंग के जरिए आरोपी का पता लगाने में जुटी है। चूंकि रोहित शेट्टी को निशाना बनाने का यह दूसरा मामला है। इसलिए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। इससे पहले इसी साल फरवरी मे उनके जुहू आवास के बाहर फायरिंग की एक खौफनाक वारदात हुई थी। जिसमें कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया था। मुंबई पुलिस को अंदेशा है कि इस बार दे रंगदारी कॉल के पीछे भी इसी गैंग का हाथ हो सकता है। जो लगातार हाई प्रोफाइल हस्तियों को निशाना बना रहा है।

आधिकारिक पुष्टि का इंतजार

फिलहाल मुंबई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि धमकी देने वाले की पहचान क्या है और उसके खिलाफ आगे क्या कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपुष्ट दावों और अफवाहों से बचने की भी अपील की है।

न्यू एरा हॉस्पिटल की फार्मेसी पर एफडीए की कार्रवाई

20.15 लाख का स्टॉक जब्त

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर
फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए), महाराष्ट्र की नागपुर टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर 27 जून को टेलीफोन एक्सचेंज चौक स्थित न्यू एरा हॉस्पिटल से संबद्ध फामेर्सी का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अस्पताल के बेसमेंट में बिना वैध लाइसेंस के बिक्री के लिए बड़ी मात्रा में दवाओं का भंडारण पाया गया। संबंधित परिसर के लिए लाइसेंस और दवाओं की खरीद-बिक्री से जुड़े दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

20.15 लाख का स्टॉक जब्त

एफडीए अधिकारियों ने दो दवाओं के नमूने जांच के लिए लिए तथा 20.15 लाख रुपए मूल्य का दवा स्टॉक जब्त कर लिया। विभाग ने बताया कि मामले में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 तथा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नियमों के उल्लंघन का आरोप

निरीक्षण में यह भी पाया गया कि भर्ती मरीजों को डॉक्टर के पर्चे की प्रति दिए बिना अस्पताल की फामेर्सी से ही दवाएं लेने के लिए बाध्य किया जा रहा था। साथ ही, मरीजों को कहीं से भी दवाएं खरीदने की स्वतंत्रता संबंधी एफडीए के आदेश का पालन नहीं किया गया। नेमप्लेट पर केमिस्ट का नाम न होना, एक्सपायरी दवाओं को अलग न रखना, शेड्यूल एच-1 दवाओं के रिकॉर्ड में अंतर तथा निरीक्षण पुस्तिका का अभाव जैसी अनियमितताएं भी सामने आईं।

शिकायत करने की अपील

सह आयुक्त (ड्रग) गणेश रोकडे ने बताया कि संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी कर आगे की कार्रवाई प्रस्तावित है। एफडीए ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी अस्पताल या मेडिकल स्टोर द्वारा दवाएं खरीदने के लिए दबाव बनाया जाए या पर्चा देने से इनकार किया जाए, तो इसकी शिकायत संबंधित कार्यालय अथवा टोल-फ्री नंबर 1800-222-365 पर करें।

सीएसएमटी स्टेशन के बाहर पत्नी से विवाद के बाद युवक ने लहराया कोयता

पुलिस ने किया गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
मुंबई की लोकल ट्रेन में चाकूबाजी का मामला नया ही था की एक और मामला सामने आया, जिसमे एक शख्स मुंबई के सबसे भीड़-भाड़ वाले इलाकों में से एक, छत्रपति शिवाजी महाराष्ट्र टर्मिनस रेलवे स्टेशन के बाहर धारदार कोयता लहराने लगा। यह घटना माता रमाबाई आंबेडकर मार्ग पुलिस स्टेशन क्षेत्र में शनिवार (27 जून) को सीएसएमटी स्टेशन के बाहर हुई, जहां एक युवक कोयता लहराकर लोगों को डराने-धमकाने लगा। गनीमत रही की इस घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई।

आरोपी ने अपनी पत्नी से विवाद के बाद कोयता निकाल डराना किया शुरू

इस बात कि जानकारी एक शख्स ने मुंबई पुलिस को एक्स पर पोस्ट कर दी, जिसके बाद पुलिस तुरंत एक्टिव हो गई। जानकारी मिलते ही पुलिस स्टेशन में मौजूद सहायक पुलिस निरीक्षक संध्या निकम अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचीं। उस समय युवक हाथ में कोयता लेकर जोर-जोर से चिल्ला रहा था और आने-जाने वाले लोगों के साथ-साथ अपने साथ मौजूद महिला की ओर भी हमला करने के अंदाज में दौड़ रहा था। पुलिस टीम ने पीछे से घेरकर युवक को काबू किया और उसके हाथ से कोयता छीन लिया। पूछताछ में महिला ने बताया कि आरोपी वकार अनवर शेख (22 वर्ष) उसका पति है। दोनों घूमने के लिए आए थे, लेकिन आपसी विवाद के बाद वकार ने बैग से कोयता निकाल लिया और महिला व आसपास मौजूद लोगों को धमकाने लगा।

संपत्ति के लिए हुई हत्या

बेटे-बहू ने बेरहमी से पिता को मारा, अरोपी फरार

हिंदमाता नेटवर्क @ चंद्रपुर

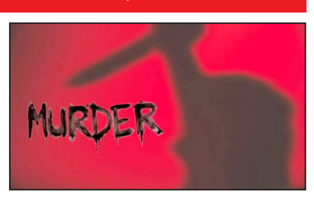

चंद्रपुर जिले के बल्लारपुर में संपत्ति विवाद के चलते 65 वर्षीय वृद्ध पिता के सिर पर कपड़े धोने वाली लकड़ी की बैट (मोगरी) से जानलेवा हमला कर उनकी हत्या किए जाने का एक सनसनीखेज मामला बल्लारपुर में सामने आया है। इस मामले में बल्लारपुर पुलिस ने मृतक के छोटे बेटे राजू काटीक और बहू रवलिका राजू काटीक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपी वारदात के बाद से फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक उपेंद्र काटीक (65) बल्लारपुर के फुलसिंग नाईक वार्ड क्षेत्र के निवासी थे। उनका बड़ा बेटा रविंद्र उपेंद्र काटीक अपनी पत्नी और बच्चों के साथ हैदराबाद में रहकर एक सुरक्षा रक्षक के रूप में कार्य करता है। रविंद्र काटीक द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उनका छोटा भाई राजू काटीक संपत्ति के विवाद को लेकर अपने माता-पिता से अक्सर झगड़ा और मारपीट करता था। 10 जून की रात को उपेंद्र काटीक पर जानलेवा हमला होने की जानकारी रविंद्र को फोन के माध्यम से मिली थी। अगले दिन उन्हें सूचित किया गया कि उनके पिता की हालत अत्यंत गंभीर है। सूचना मिलते ही रविंद्र तत्काल हैदराबाद से नागपुर शहर स्थित शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय एवं अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि उनके पिता के सिर में गंभीर चोटें थीं और वे बेहोशी की हालत में वेंटिलेटर पर थे। शिकायत के अनुसार, संपत्ति के विवाद में राजू काटीक और उसकी पत्नी रवलिका ने मिलकर उपेंद्र काटीक के सिर पर कपड़े धोने वाली बैट से ताबड़तोड़ हमला किया था, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

खुद को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बताकर ठगी करने वाला फर्जी अफसर गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की प्रॉपर्टी सेल ने खुद को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बताकर लोगों से ठगी करने वाले एक फर्जी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी सरकारी पहचान पत्र और पुलिस लिखी हुई नेम प्लेट लगी कार का इस्तेमाल कर लोगों का भरोसा जीतता था और बैंक से लोन मंजूर कराने के नाम पर अपने साथियों के साथ मिलकर पैसे ऐंठता था।

पुलिस ने तीन संदिग्धों को नकली नेम प्लेट और दस्तावेज के साथ पकड़ा

अपराध शाखा को मिली शिकायत के आधार पर मानव एवं तकनीकी जांच की गई। जांच में पता चला कि आरोपी मुंबई के अंधेरी स्थित द लीला होटल आने वाला है। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर शुक्रवार, (26 जून 2026) को तीन संदिग्धों को एमएच12 एक्सएच 9447 नंबर की पुलिस नेम प्लेट लगी ग्रे रंग की टाटा पंच कार सहित हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से वरिष्ठ पुलिस अधिकारी होने के फर्जी सरकारी पहचान पत्र और अन्य नकली दस्तावेज बरामद किए गए।

बीएनएस की कई धाराओं के तहत मामला किया दर्ज

इस मामले में मुंबई अपराध शाखा की प्रॉपर्टी सेल ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं 204, 205, 318(4), 319, 336(3), 337, 340 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। यह मामला आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई मामले दर्ज हैं, जिनमें साल 2025 में कस्तूरबा मार्ग पुलिस स्टेशन , साल 2018 में साकीनाका और खेतवाड़ी पुलिस स्टेशन में अलग-अलग मामले दर्ज है।

मॉल के बाहर 'रुपए एक सेल' की अफवाह से भगदड़ जैसे हालात बन गए

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
सोशल मीडिया पर यहां कपड़ों के एक शोरूम में एक रुपए में परिधान बेचे जाने की अफवाह के कारण उपनगरीय मलाड में एक मॉल के बाहर भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बांगुर नगर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो व्यापक रूप से साझा किया गया, जिसमें दावा किया गया था कि इन्फिनिटी मॉल में कपड़ों का एक शोरूम प्रचार अभियान के तहत एक रुपए में कपड़े बेच रहा है। इसके बाद दुकान खुलने से पहले ही बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच गए।

हिंदमाता एंकर: चंद्रपुर के जीवने परिवार में पसरा मातम, इस भीषण दुर्घटना ने जीवने परिवार की दुनिया ही उजाड़ दी

समृद्धि महामार्ग पर भीषण हादसा, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ अमरावती

अमरावती जिले में समृद्धि महामार्ग पर रविवार को एक ऐसा हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसने हर किसी की रूह को झकझोर कर रख दिया है। धामणगांव रेलवे तहसील के पास एक तेज रफ्तार कार और खड़े ट्रक की भीषण टक्कर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ, जब खुशियों से भरा यह परिवार एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। इस भीषण दुर्घटना ने चंद्रपुर जिले के बाहुपेठ डीएड कॉलेज के पास रहने वाले जीवने परिवार की दुनिया ही उजाड़ दी। मृतकों की पहचान भास्कर महादेव जीवने (57), उनकी पत्नी लता महादेव जीवने (43), बेटा महादेव जीवने (42), बहू आरती जीवने (40) और महज 12 वर्षीय पोती त्रिशा जीवने के रूप में हुई है। इस हादसे में परिवार की तीन पीढ़ियां माता-पिता, बेटा-बहू और पोती एक साथ काल के गाल में समा गईं।

समारोह की खुशियां मातम में बदलीं

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह परिवार चंद्रपुर से अकोला में आयोजित एक समारोह में शामिल होने के लिए निकला था। उनकी कार समृद्धि महामार्ग के चैनल नंबर 106 के पास पहुंची ही थी कि अचानक कार सामने खड़े एक कंटेनर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। स्थानीय लोगों और पुलिस के अनुसार, कार की गति तेज थी और प्रभाव इतना शक्तिशाली था कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

हादसे का कारण और पुलिस कार्रवाई

प्रारंभिक जांच और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस भयानक हादसे का संभावित कारण ड्राइवर को झपकी आना बताया जा रहा है। नींद का एक छोटा सा झोंका पूरे परिवार के लिए जानलेवा साबित हुआ। सूचना मिलते ही समृद्धि महामार्ग पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला और धामणगांव के ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने पांचों को आधिकारिक रूप से मृत घोषित कर दिया।

सुरक्षा पर उठे सवाल

समृद्धि महामार्ग पर लगातार हो रहे इन हादसों ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और ड्राइवरों की मानसिक स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासियों ने गति सीमा को सख्ती से लागू करने और निगरानी बढ़ाने की मांग की है ताकि भविष्य में किसी और जीवने परिवार का सपना इस तरह सड़क पर न बिखरे। आज पूरे चंद्रपुर और अमरावती क्षेत्र में इस घटना से शोक की लहर है।

पत्नी की हत्या के लिए 6.7 लाख की सुपारी देने का आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
साकीनाका इलाके में हुए एक सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट के मुताबिक, मुख्य आरोपी सकाराम चौधरी ने राजस्थान की एक महिला के साथ अपने कथित प्रेम प्रसंग को जारी रखने के लिए अपनी ही पत्नी, नारंगी उर्फ गीता सकाराम चौधरी की हत्या की खौफनाक साजिश रची थी। आरोपी अपनी गर्लफ्रेंड के साथ रहना चाहता था और अपनी पत्नी को इस रिश्ते में सबसे बड़ी रुकावट मानता था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, सकाराम ने अपनी पत्नी के रास्ते से हटाने के लिए कई सह-आरोपियों के साथ मिलकर साजिश रची।

हत्या को बताया आत्महत्या, दी थी सुपारी

उसने पत्नी की हत्या के लिए करीब 6.7 लाख रुपए की सुपारी दी और वारदात को अंजाम देने के बाद मौत को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस जांच में इस खौफनाक साजिश का पदार्फाश हो गया। चार्जशीट में यह भी खुलासा हुआ है कि वह महिला पर लगातार दबाव बना रहा था। महिला और उसके परिवार ने राजस्थान पुलिस में सकाराम के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई थी। आरोप है कि सकाराम शादीशुदा होने के बावजूद महिला का पीछा कर रहा था। उसे जबरन मुंबई लाया। उसका सामान छीन लिया और रिश्ता खत्म करने पर उनकी अंतरंग तस्वीरें व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा था। पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट में कई दस्तावेजी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों का उल्लेख किया गया है। हालांकि, इन आरोपों पर अंतिम फैसला अदालत में सुनवाई और उपलब्ध साक्ष्यों के परीक्षण के बाद ही होगा। फिलहाल मामले की न्यायिक प्रक्रिया जारी है।

विचार प्रवाह

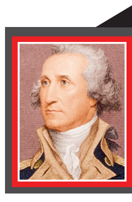

यदि बोलने की स्वतंत्रता छीन ली जाये तो शायद गूंगे और मौन हम उसी तरह संचालित होंगे जैसे भेड़ को बलि के लिए ले जाया जा रहा हो।

– जार्ज वाशिंगटन

संपादकीय

चढ़ावे की चोरी के दोषी बख्शे न जाएं

अयोध्या में राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए दान और कीमती सामान की हेराफेरी की घटनाओं ने देश-विदेश के रामभक्तों को विचलित किया है। कभी आमजन में कहा जाता था कि 'भगवान से डर', लेकिन पैसे की हवस देखिए कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंद लोगों ने भगवान के घर में चोरी करने में कोई डर महसूस नहीं किया। ये प्रबंधन व व्यवस्था की पारदर्शिता की खोट तो है ही, मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा भी है कि मंदिर में चढ़ावे की देखरेख को तैनात लोग ही चोरी-चकारी में लिप्त हो जाएं। इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन-फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं। खासकर, भाजपा के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि राम जन्म भूमि वाले प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिस मुद्दे को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आती रही है, उस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर होगा। निस्संदेह, इस प्रकरण से राम भक्तों की आस्था को गहरी चोट तो पहुंची है। सवाल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी पर भी उठेंगे कि उसने समय रहते इस चोरी को क्यों नहीं पकड़ा। बेहतर होता कि दोषियों के खिलाफ ट्रस्ट की तरफ से स्वतः प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जाती। सवाल पूछा जा सकता है कि आखिर क्यों ट्रस्ट चंदे की रकम का हिसाब-किताब विश्वसनीय तरीके से नहीं रख पाया। निश्चय ही इस प्रकरण से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की साख भी दांव पर लगी है। वह उन भक्तों की भावनाओं की रक्षा नहीं कर पाया, जिन्होंने मंदिर निर्माण से लेकर अब तक दिल खोलकर दान दिया। जब चंदा प्रबंधन से जुड़े लोगों के घर से लाखों की नकदी बरामद हुई और चोरी के पैसे से जमीन खरीदने के आरोप सामने आए तो भक्तों की आस्था पर आंच आना स्वाभाविक ही है। आरोप सिर्फ नकदी के हेरफेर के ही नहीं लगे बल्कि कीमती गहनों को खुर्दबुर्द करने के भी लगे। वहीं प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान दान में मिली चांदी की छड़ों के गायब होने का भी आरोप है। बहरहाल, 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले सामने आए इस विवाद ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष जहां दोषियों पर समय रहते कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहा है, वहीं भाजपा इन आरोपों को अयोध्या को बदनाम करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश बता रही है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि जिन भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए पांच सौ साल तक इंतजार किया, उन्हें एसआईटी जांच अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने का इंतजार करना चाहिए। उनकी दलील है कि इस शर्मनाक मामले की तह तक जाने के लिये एक पारदर्शी और समय-सीमा के भीतर होने वाली जांच बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल चंदे के रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने और स्वतंत्र ऑडिट की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के दान और धार्मिक आस्था से जुड़े मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह प्रकरण देश के बड़े धार्मिक संस्थानों में चंदे के प्रबंधन में पारदर्शिता व सतर्कता की मांग करता है। चंदे का नियमित ऑडिट किया जाना, तकनीक आधारित प्रबंधन, डिजिटल ट्रैकिंग और स्वतंत्र निगरानी वाले आधुनिक सिस्टम की जरूरत को दर्शाता है। निस्संदेह, राम मंदिर भारत व विदेशों में बसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आकांक्षा का प्रतीक है। श्रद्धालुओं का भरोसा बनाये रखने के लिये हर आक्षेप की पारदर्शिता से जांच जरूरी है।

आज का इतिहास

- 2000 - सिएरा लियोन में रिवॉल्यूशनरी युनाइटेड फ्रंट के विद्रोहियों ने बंधक बनाने गये शेष 21 भारतीय शांति सैनिकों को रिहा किया, विश्व की प्रमुख कंपनी आई.बी.एम. द्वारा विश्व का सबसे तेज कम्प्यूटर निर्मित।
- 2002 - चीन में जबर्दस्त भूकम्प आया।
- 2004 - पूर्वी एशिया सम्मेलन (जकार्ता) में आसियान को प्रमुख ताकत बनाने पर सहमति।
- 2005 - भारत और अमेरिका में समग्र 10 वर्षीय समझौता।
- 2008 -पर्यावरण से जुड़ी गैर सरकारी संस्था जनहित फाउण्डेशन को पर्यावरण क्षेत्र का प्रसिद्ध पुरस्कार आइकॉम पुरस्कार प्रदान किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश ने कैलिफोर्निया के जंगलों में आग से प्रभावित क्षेत्रों में आपातकाल लागू करने की घोषणा की।
- 2014 - साइना नेहवाल ने ऑस्ट्रेलियन सुपर सीरीज जीती।
- 2011- दुनिया के प्रमुख विकसित एवं विकासशील देशों में आज की भागदौड़ और आपाधापी से होने वाले तनाव के बारे में किए गए भारतीय महिलाएं के सर्वेक्षण के अनुसार भारत की सर्वाधिक महिलाएं तनाव में रहती हैं। दुनिया भर में महिलाएं खुद को बेहद तनाव और दबाव में महसूस करती हैं। यह समस्या आर्थिक तौर पर उभरते हुए देशों में ज्यादा दिख रही है। एक सर्वे में भारतीय महिलाओं ने खुद को सबसे ज्यादा तनाव में बताया।
- 2011- मानव तस्करी की निगरानी सूची (वॉच लिस्ट) से भारत को बाहर कर दिया गया है। छह साल के अंतराल के बाद, अमेरिका ने भारत को मानव तस्करी की निगरानी सूची (वॉच लिस्ट) से बाहर कर दिया है।
- 1901 - अमल कुमार सरकार - भारत के भूतपूर्व आठवें मुख्य न्यायाधीश थे।
- 1861 - देवकीनन्दन खत्री - हिन्दी के प्रथम तिलिस्मी लेखक।
- 1864 - सर आशुतोष मुखर्जी - बंगाल के ख्याति प्राप्त बैरिस्टर और शिक्षाविद थे।
- 1893 - पी. सी. महालनोबिस - प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक एवं सांख्यिकीविद
- 2016 - के.जी. सुब्रह्मण्यम - भारतीय मूर्तिकार और भित्ति चित्रकार थे।
- 1988 - गवरी देवी - राजस्थान की प्रसिद्ध मांड गायिका।
- 1873-माइकल मधुसूदन दत्त-बंगला भाषा के प्रसिद्ध कवि।
- 1966 - दामोदर धमानंद कोसांबी-भारत के प्रसिद्ध विद्वान, भाषा-वैज्ञानिक और गणितज्ञ।

होर्मुज पर निर्भरता कब तक?

ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत को अब दीर्घकालिक और ठोस रणनीति अपनाने की जरूरत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

फरवरी के अंत में शुरू हुआ खाड़ी क्षेत्र का संघर्ष करीब 100 दिनों तक दुनिया के लिए चिंता का विषय बना रहा। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 सूत्रीय शांति समझौते के बाद फिलहाल हालात सामान्य होने लगे हैं। इसके साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य पर लगे प्रतिबंध हट गए हैं और कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस तथा उर्वरकों की समुद्री आवाजाही फिर से शुरू हो गई है। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से भारत के लिए राहत की खबर है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने भारत के सामने एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा कर दिया है-क्या देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर लंबे समय तक इसी तरह निर्भर रह सकता है?

खाड़ी क्षेत्र हमेशा से संवेदनशील

खाड़ी क्षेत्र वर्षों से राजनीतिक और सामरिक अस्थिरता का केंद्र रहा है। शिया-सुन्नी संघर्ष, क्षेत्रीय वर्चस्व की होड़, आतंकवादी गतिविधियां और गृहयुद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण यहां तनाव बना रहता है। इस क्षेत्र में होने वाला कोई भी संघर्ष केवल स्थानीय नहीं रहता, बल्कि उसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

दुनिया का सबसे अहम ऊर्जा मार्ग

भूराजनीतिक दृष्टि से होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में गिना जाता है। खाड़ी देशों से निकलने वाला अधिकांश कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी रास्ते एशिया के देशों तक पहुंचती है। यदि यह मार्ग किसी कारण से बंद हो जाए तो केवल खाड़ी क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया की ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। वर्ष 1973 के तेल संकट से लेकर अब तक दुनिया कई बार ऐसे झटके झेल चुकी है।

महंगे तेल की कीमत भारत भी चुकाता है

हालिया संघर्ष लगभग 110 दिनों तक चला। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। यदि नाकेबंदी कुछ महीने और जारी रहती, तो कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती थीं। भारत जैसे बड़े आयातक देश के लिए तेल की कीमत में प्रति बैरल केवल एक डॉलर की वृद्धि भी आयात बिल पर भारी असर डालती है। वर्ष 2025 में भारत ने लगभग 167 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया था। इसका सीधा प्रभाव विदेशी मुद्रा भंडार, महंगाई और आर्थिक विकास पर पड़ता है।

भारत की बड़ी निर्भरता

भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 80 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। यद्यपि देश 40 से अधिक देशों से तेल खरीदता है, लेकिन आज भी प्रमुख आपूर्ति सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे खाड़ी देशों से ही होती है। भविष्य में ईरान से आयात बढ़ने की संभावना भी है। इसके अलावा रूस, अमेरिका, वेनेजुएला, ब्राजील और नाइजीरिया भी भारत के महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बनकर उभरे हैं।

एक चौथाई तेल होर्मुज के भरोसे

भारत के कुल तेल आयात का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। देश की दैनिक जरूरत करीब 50 लाख बैरल है, जिसमें लगभग 22 लाख बैरल तेल इसी मार्ग से पहुंचता है। केवल कच्चा तेल ही नहीं, बल्कि कृषि के लिए आवश्यक यूरिया, अमोनिया, सल्फर और सड़क निर्माण में उपयोग होने वाला बिटुमेन भी इसी रास्ते भारत आता है। इसलिए होर्मुज पर निर्भरता को एक झटके में समाप्त करना संभव नहीं है, लेकिन इसे चरणबद्ध तरीके से कम करना अब राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुका है।

पहली प्राथमिकता आयात के स्रोत बढ़ाना

भारत की रिफाइनरियां विभिन्न प्रकार के कच्चे तेल को परिष्कृत करने में सक्षम हैं। गुजरात के जामनगर स्थित विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी के कारण भारत कम और अधिक सल्फर वाले दोनों प्रकार के तेल का प्रसंस्करण कर सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने रियायती दरों पर रूस से तेल खरीदकर उसका सफलतापूर्वक प्रसंस्करण और निर्यात भी किया। यही क्षमता भविष्य में रूस, वेनेजुएला और अन्य देशों से आयात बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है।

दूसरी प्राथमिकता तेल भंडारण क्षमता बढ़ाना

वर्तमान में भारत के पास लगभग 4 करोड़ बैरल का रणनीतिक तेल भंडार है, जिससे केवल 60 से 65 दिनों की जरूरत पूरी हो सकती है। इसके विपरीत जापान के पास लगभग 200 दिनों और चीन के पास करीब छह महीने तक का तेल भंडार उपलब्ध है। यदि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाना चाहता है, तो उसे अपनी भंडारण क्षमता कम से कम 8 करोड़ बैरल तक बढ़ाकर लगभग 150 दिनों की जरूरत के बराबर सुरक्षित भंडार तैयार करना होगा।

तीसरी प्राथमिकता वैकल्पिक समुद्री मार्ग

भारत को ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज के विकल्प भी विकसित करने होंगे। लाल सागर की 'ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन', ओमान के माध्यम से वैकल्पिक परिवहन मार्ग तथा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईसी) जैसी परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाना समय की मांग है। इन परियोजनाओं के सफल होने से ऊर्जा आपूर्ति अधिक सुरक्षित और विविधतापूर्ण हो सकेगी।

समुद्री सुरक्षा और हरित ऊर्जा पर जोर

भारत को अरब सागर और हिंद महासागर में अपनी नौसैनिक उपस्थिति और निगरानी क्षमता को और मजबूत करना होगा ताकि समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति निर्बाध बनी रहे। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार, एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा और सौर, पवन तथा अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों में निवेश बढ़ाना भी ऊर्जा सुरक्षा की दीर्घकालिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए।

यदि होर्मुज बंद हो जाए तो

यदि भविष्य में होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह बंद हो जाता है, तो भारत के लगभग 25 प्रतिशत तेल आयात पर तत्काल असर पड़ेगा। उर्वरकों की आपूर्ति बाधित होगी, कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आएगा, महंगाई बढ़ेगी, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ेगा और चालू खाते का घाटा भी बढ़ सकता है। इसका असर उद्योग, परिवहन, कृषि और आम उपभोक्ता तक महसूस किया जाएगा।

रक्षा क्षेत्र के लिए भी सबक

हालिया संघर्ष ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक युद्धों में ड्रोन तकनीक की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसलिए भारत को स्वदेशी ड्रोन निर्माण, ड्रोन-रोधी सुरक्षा प्रणाली और अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों में बड़े पैमाने पर निवेश करना चाहिए। इससे न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी।

अब निर्णय लेने का समय

होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ा यह संकट भारत के लिए एक चेतावनी है कि ऊर्जा सुरक्षा को केवल आयात के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। तेल आयात के स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारण क्षमता का विस्तार, वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास, समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना और स्वदेशी रक्षा एवं वैकल्पिक ऊर्जा पर निवेश—ये पांच ऐसे स्तंभ हैं, जिन पर भारत की भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा निर्भर करेगी। यदि आज दूरदर्शिता के साथ ठोस कदम उठाए जाते हैं, तो भविष्य में किसी भी अंतरराष्ट्रीय संकट का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर काफी हद तक सीमित किया जा सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

रिश्तों का संकट और लोहगढ़ की दर्दनाक कहानी

● एक हत्या नहीं, बदलती सोच, पारिवारिक दबाव और टूटते सामाजिक मूल्यों पर गंभीर सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

हाल ही में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होने के कारण चर्चा में आया लोहगढ़ किला इन दिनों एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना के कारण सुर्खियों में है। 'लोहगढ़ मर्डर मिस्ट्री' ने पूरे देश को झकझोर दिया है। प्राकृतिक सौंदर्य और ट्रेकिंग के लिए प्रसिद्ध यह इलाका हमेशा युवाओं को आकर्षित करता रहा है। यहां दुर्घटनाओं की खबरें कभी-कभार आती रही हैं, इसलिए शुरूआत में भी यही माना गया कि किसी ट्रेकिंग हादसे में एक युवक की जान चली गई। लेकिन जांच आगे बढ़ी तो जो सच्चाई सामने आई, उसने हर किसी को स्तब्ध कर दिया। पता चला कि जिस युवती से कुछ ही दिनों बाद उसकी शादी होने वाली थी, उसी ने अपने मंगेतर को गहरी खाई में धक्का देकर उसकी हत्या की साजिश रची थी।

प्रेम, विवाह और एक भयावह साजिश

जांच में सामने आया कि केतन की हत्या की योजना को अंजाम देने में चेतन नामक युवक ने सिया का साथ दिया। घटना के बाद चेतन की पहचान और उसका व्यवहार भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना। बताया गया कि भीषण गर्मी में भी वह हुडी पहनकर आया था, जिससे पूरी घटना किसी अपराध-आधारित वेब सीरीज जैसी प्रतीत होने लगी। लेकिन सवाल केवल हत्या का नहीं, बल्कि उस मानसिकता का है, जिसने दो युवाओं को इतना बड़ा अपराध करने के लिए तैयार कर दिया।

क्या संवाद की जगह अपराध ने ले ली?

दोनों परिवार प्रतिष्ठित और संपन्न बताए जाते हैं। विवाह भी सामाजिक दृष्टि से एक हाई-प्रोफाइल समारोह बनने वाला था। यदि सिया किसी और से प्रेम करती थी और केतन से विवाह नहीं करना चाहती थी, तो क्या उसके पास अपनी बात रखने का कोई रास्ता नहीं था? यह भी सामने आया कि उसने परिवार के सामने अपनी इच्छा जताई थी, लेकिन उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। यदि यह सच है, तो यह भी चिंताजनक है। लेकिन क्या परिवार की प्रतिष्ठा बचाने के लिए किसी निर्दोष व्यक्ति की जान लेना किसी भी परिस्थिति में उचित ठहराया जा सकता है? यह प्रश्न समाज के सामने पूरी गंभीरता से खड़ा है।

निर्णय का अधिकार, लेकिन हत्या का नही

आज का समाज युवाओं को अपने जीवनसाथी चुनने का अधिकार देने की बात करता है। यदि किसी युवक या युवती पर उनकी इच्छा के विरुद्ध विवाह का दबाव डाला जाता है, तो उसे अस्वीकार करने का अधिकार भी उन्हें है। सामाजिक विरोध, पारिवारिक नाराजगी या रिश्तों के टूटने का सामना करना कठिन जरूर हो सकता है, लेकिन किसी की हत्या इसका समाधान नहीं हो सकती। जीवन का निर्णय स्वयं लेने की स्वतंत्रता का अर्थ किसी दूसरे के जीवन का अंत करने का अधिकार कभी नहीं हो सकता।

तीन परिवारों का उजड़ जाना

इस घटना का सबसे दुखद पहलू यह है कि एक निर्णय ने केवल एक युवक की जान ही नहीं ली, बल्कि तीन परिवारों का जीवन भी बर्बाद कर दिया। केतन अब इस दुनिया में नहीं है। सिया और चेतन जेल में हैं। दोनों परिवारों के सपने और भविष्य एक झटके में टूट गए। सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि प्रारंभिक खबरों के अनुसार सिया में अपने किए को लेकर कोई स्पष्ट पश्चाताप दिखाई नहीं दे रहा। यदि यह सही है, तो यह केवल अपराध नहीं बल्कि संवेदनहीनता की भी गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पहले से रची जा रही थी योजना

जांच एजेंसियों के अनुसार यह कोई क्षणिक आवेश में लिया गया फैसला नहीं था। हत्या की योजना कई दिनों से बनाई जा रही थी। एक के बाद एक योजनाएं बनती रहीं और परिस्थितियों के अनुसार उनमें बदलाव भी किया जाता रहा। यह सोचने वाली बात है कि इतने दिनों तक केतन को किसी भी प्रकार का संदेह क्यों नहीं हुआ। संभव है कि वह भी विवाह टूटने से परिवार की प्रतिष्ठा पर आंच आने की आशंका से इस रिश्ते को हर हाल में बचाए रखना चाहता हो। यदि ऐसा था, तो 'इज्जत' की यही सामाजिक अवधारणा अंततः एक भयावह त्रासदी का कारण बन गई।

मानव मन अब भी सबसे बड़ी पहेली

विज्ञान ने अंतरिक्ष से लेकर समुद्र की गहराइयों तक अनेक रहस्यों को समझ लिया है, लेकिन मानव मन आज भी सबसे कठिन पहेली बना हुआ है। हाल ही में सामने आए राजा रघुवंशी हत्याकांड में भी आरोप यही है कि नवविवाहिता पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की योजना बनाई थी। दोनों मामलों में एक समान प्रश्न उभरता है-यदि विवाह स्वीकार नहीं था, तो उसे स्पष्ट रूप से अस्वीकार क्यों नहीं किया गया? हत्या की योजना बनाने से पहले 'ना' कहना अधिक कठिन कैसे हो गया?

प्रेम और अपराध के बीच की रेखा

यदि किसी व्यक्ति को अपने जीवन के बारे में निर्णय लेने का अधिकार है, तो उसी के साथ यह जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है कि उसके निर्णय से किसी निर्दोष का जीवन नष्ट न हो। यदि सिया अपने प्रेमी के साथ जीवन बिताना चाहती थी, तो वह विवाह से इनकार कर सकती थी। समाज की नाराजगी झेल सकती थी। परिवार से संघर्ष कर सकती थी। लेकिन हत्या का रास्ता चुनना न केवल कानून, बल्कि नैतिकता और मानवता-तीनों के विरुद्ध है। प्रेम कभी किसी की जान लेने का औचित्य नहीं बन सकता।

समाज के लिए चेतावनी

यह मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं है। यह हमारी विवाह व्यवस्था, पारिवारिक संवाद, सामाजिक प्रतिष्ठा और बदलती मानसिकता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। जब यह मामला अदालत में पहुंचेगा, तब इसके कई और पहलू सामने आ सकते हैं। लेकिन फिलहाल जो तथ्य सामने आए हैं, वे समाज को आत्ममंथन के लिए मजबूर करते हैं। क्या परिवारों में संवाद की कमी बढ़ रही है? क्या सामाजिक प्रतिष्ठा का दबाव युवाओं को गलत दिशा में धकेल रहा है? क्या भावनात्मक परिपक्वता की जगह आवेग और स्वार्थ ने ले ली है?

सबसे बड़ा सबक

सोशल मीडिया पर केतन और सिया के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में कार के सनरूफ से सिया पर फूलों की वर्षा हो रही है और दोनों खुश दिखाई दे रहे हैं। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि मुस्कुराते चेहरों के पीछे इतना बड़ा तूफान पल रहा है। यही इस घटना का सबसे बड़ा संदेश भी है कि रिश्ते केवल तस्वीरों और वीडियो की मुस्कान से नहीं चलते, बल्कि विश्वास, संवाद और ईमानदारी से मजबूत बनते हैं। यदि परिवारों में खुलकर बातचीत हो, युवाओं को अपनी बात कहने का अवसर मिले और सामाजिक प्रतिष्ठा से अधिक मानवीय जीवन को महत्व दिया जाए, तो शायद ऐसी त्रासदियों को रोका जा सकता है। लोहगढ़ की यह घटना केवल एक हत्या की कहानी नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए समय रहते चेत जाने की गंभीर चेतावनी है।

प्रेरक प्रसंग

फर्ज से बड़ी इबादत

सुबह का समय था। स्कूल में पढ़ाई पूरे जोर पर चल रही थी। तभी शिक्षा अधिकारी के औचक निरीक्षण की खबर पूरे विद्यालय में फैल गई। निरीक्षण के दौरान एक कक्षा खाली मिली। बच्चे शोर-शराबा कर रहे थे, कोई एक-दूसरे पर कागज फेंक रहा था तो कोई बेंचों पर चढ़कर उधम मचा रहा था। यह देखकर प्रधानाचार्य का चेहरा उतर गया। निरीक्षण समाप्त होने के कुछ देर बाद शिक्षक अशरफ मियां स्कूल परिसर में दिखाई दिए। प्रधानाचार्य ने उन्हें अपने कक्ष में बुलाया और गंभीर स्वर में पूछा, "अशरफ मियां, आप कहां थे? आपकी कक्षा खाली पड़ी थी। बच्चे पूरी तरह बेलगाम हो चुके थे।" अशरफ मियां ने बिना किसी झिझक के उत्तर दिया, "सर, मैं अपनी इबादत के लिए गया था। क्लास के चक्कर में क्या अपनी इबादत जैसी जरूरी जिम्मेदारी छोड़ दूं?" प्रधानाचार्य ने संयम रखते हुए कहा, "इबादत अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन आपकी गैरहाजिरी में यदि किसी बच्चे को चोट लग जाती या कोई बड़ा हादसा हो जाता तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेता?" अशरफ मियां ने बेपरवाही से कहा, "अगर मामला इतना गंभीर है तो स्कूल के प्रधान होने के नाते उसकी चिंता आपको करनी चाहिए। मैं अपनी इबादत का समय किसी को नहीं दे सकता, चाहे कुछ भी हो जाए।" प्रधानाचार्य ने गहरी सांस ली। उन्हें लगा कि इस समय बहस करने से कोई लाभ नहीं। उन्होंने सिर्फ इतना कहा, "ठीक है, अब जाकर अपनी कक्षा संभालिए।" इतने में स्कूल के मुख्य द्वार से एक किशोर लड़का हांफता हुआ अंदर आया। वह अशरफ मियां का बेटा था। घबराए स्वर में बोला, "पापा! जल्दी घर चलिए। भाईजान सुबह से रोए जा रहे हैं। किसी की बात नहीं सुन रहे।"

■ अशरफ मियां बेचैन हो उठे। "क्या हुआ उसे?" "पता नहीं पापा। लगता है उसकी नौकरी छूट गई है।" यह सुनते ही अशरफ मियां का चेहरा बदल गया। गुस्से में बोले, "नौकरी नहीं करेगा तो छूटेगी ही। कम्पनी का मालिक क्या उसका रिश्तेदार है जो काम छोड़कर भी तनख्वाह देता रहेगा? हरामखोरी करेगा तो यही अंजाम होगा।" इतना कहकर वह जल्दी से घर जाने के लिए मुड़े। फिर प्रधानाचार्य की ओर देखते हुए बोले, "सर, मुझे अभी जाना पड़ेगा।

■ नहीं तो साहबजादा इस उम्र में भी बच्चों की तरह रो-रोकर अपनी अम्मी का जीना हराम कर देगा। पता नहीं यह हरामखोर कब सुधरेगा।" प्रधानाचार्य कुछ क्षण उन्हें जाते हुए देखते रहे। उनके मन में बस एक ही विचार कौंध रहा था-दूसरों के कर्तव्य पर उपदेश देना बहुत आसान है, लेकिन अपने कर्तव्य की उपेक्षा अक्सर हमें दिखाई नहीं देती। सच तो यह है कि ईमानदारी से निभाया गया फर्ज ही सबसे बड़ी इबादत होता है।

राशिफल

मेष– उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। सम्मान व कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यापार में नए प्रस्तावों से लाभ मिलने के योग हैं। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें।

वृषभ–स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें। रचनात्मक कार्यों का प्रतिफल प्राप्त होगा। व्यापार में उन्नति होगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कानूनी विवादों का निपटारा होगा।

मिथुन– मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। संतान पर अनावश्यक रोक न लगाएं। धन लाभ होने की भी संभावना है। बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दौड़धूप अधिक होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। सामाजिक कार्यों में सीमित रहें।

कर्क– प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। इच्छित काम पूर्ण हो सकेंगे। मेहनत का फल मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। स्वास्थ्य की समस्या सुलझेगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

सिंह– प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आय-व्यय में असंतुलन की स्थिति बन सकती है। प्रमाद न करें। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। वैवाहिक अड़चनें समाप्त होंगी। विरोधी परास्त होंगे।

कन्या–भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। फालतू खर्च होगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएंगे। दिनचर्या नियमित रहेगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। रिश्तेदारों से भेंट हो सकेगी। दूसरों की आलोचना, निंदा से दूर रहें।

तुला–नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यावसायिक समस्याओं का हल आपके माध्यम से हो सकेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। दूसरों से व्यर्थ में न उलझें।

वृश्चिक– प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। व्यवहार-कुशलता से समस्या का समाधान संभव है। व्यापारिक निर्णय लेने में देरी नहीं करना चाहिए।

धनु– आज प्रसन्नता बनी रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी। प्रयास व सहयोग से अनुकूलता आएगी। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। पिता से मतभेद हो सकते हैं।

मकर– व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं। रचनात्मक काम होंगे। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आलस्य को त्यागें। अपने कार्यों को समय पर करने से सफलता प्राप्त हो सकती है।

कुंभ– कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। विवाद समाप्त होने से शांति एवं सुख बढ़ेगा। व्यापार अच्छा चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सोच-समझकर व्यय करें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन–व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे। काम के प्रति लापरवाही न करें। प्रयत्न एवं दूरदर्शिता से सहयोग व समर्थन मिलेगा। लाभ होगा।

प्रयागराज में अखिलेश का भाजपा पर बड़ा हमला

‘न चंदा मिलेगा, न चढ़ावा, न वोट’, चंदे से लेकर भ्रष्टाचार तक लगाए आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ प्रयागराज

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि इटावा में केदारेश्वर शिव मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद वह मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या जाएंगे। अखिलेश यहां संवाददाताओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से हाल में की गई उस टिप्पणी का जवाब दे रहे थे जिसमें मुख्यमंत्री ने अखिलेश के अयोध्या न जाने का जिक्र किया था। यादव ने कहा कि इटावा में केदारेश्वर शिव मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद मैं मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या जाऊंगा। लेकिन मुद्दा मेरे दौरे का नहीं है।

मुख्यमंत्री पर साधा निशाना

उन्होंने मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि वह (मुख्यमंत्री) बार-बार दावा करते रहे कि वह कई बार अयोध्या गए हैं, फिर भी उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि वहां क्या हो रहा है। इससे 'चिराग तले अंधेरा' वाली कहावत सच साबित होती है। यादव ने दावा किया कि अगर वहां ऐसा हो सकता है, तो तहसीलों, पुलिस थानों और दूसरी जगहों पर भ्रष्टाचार का स्तर क्या होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

धर्म और राजनीति को लेकर भाजपा पर हमला

उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले एक दशक में केवल प्रयागराज में हुए विकास कार्यों का ऑडिट कराया जाए तो बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने आएंगी। यह दावा करते हुए कि भारतीय जनता पार्टी धर्म का इस्तेमाल एक आड़ के रूप में कर रही है, यादव ने कहा कि समाजवादी लोग चाहते हैं कि सनातन धर्म की रक्षा हो, लेकिन सनातन धर्म की आड़ में पूरा कारोबार चलाया जा रहा है। उन्होंने रोजगार, भर्ती, आरक्षण और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा। साथ ही राम मंदिर के चंदे में कथित हेराफेरी के मामले का भी उल्लेख किया।

स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

यादव ने नौकरियों और स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब वे नौकरियों और रोजगार की बात करते हैं, तो उन्हें कम से कम अपने विभागों के बारे में लोगों को बताना चाहिए। अगर हम आगरा, गोरखपुर और अन्य जगहों के आंकड़ों को देखें, तो पता चलता है कि मुख्यमंत्री के अपने निर्वाचन क्षेत्र गोरखपुर में 77 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में से केवल नौ ही संचालित हो रहे हैं। लगभग 500 निजी स्कूल भी बंद हो गए हैं।

‘धर्म नहीं, पैसा प्राथमिकता’ का आरोप

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की 'डिक्शनरी' में न तो धर्म बचा है और न ही शर्म। उनकी प्राथमिकता धर्म नहीं, बल्कि पैसा है। उनके लिए 'राष्ट्र प्रथम' नहीं, बल्कि 'चंदा प्रथम' है।

राम मंदिर चंदा मामले का जिक्र

राम मंदिर के चंदे में कथित हेराफेरी का जिक्र करते हुए यादव ने कहा कि आस्था के साथ इतनी बड़ी धोखाधड़ी की कल्पना कौन कर सकता था? सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि कितनी बार कैमरे बंद किए गए थे। अब और क्या कहने की जरूरत है? उन्होंने मंदिर चंदा घोटाले के आरोपों पर अपनी बात जारी रखते हुए कहा कि जिन लोगों ने दूसरों पर चोरी के झूठे आरोप लगाए, भगवान ने अब उनकी अपनी असली चोरी सबके सामने ला दी है। इससे ज्यादा शर्मनाक क्या हो सकता है? अयोध्या जैसी पवित्र जगह पर उन्होंने भगवान के नाम पर दिए गए चंदे की चोरी की है। सीसीटीवी फुटेज का जिक्र करते हुए यादव ने कहा कि सीसीटीवी में 'सीसी' का मतलब अब 'चंदा चोरी' और 'चढ़ावा चोरी' हो गया है। गरीब महिलाएं अब पूछ रही हैं कि अगर उनके चढ़ावे की चोरी हो रही है, तो वे चढ़ावा क्यों दें?

2027 चुनाव को लेकर दावा

उन्होंने भाजपा पर संविधान बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता ने भाजपा को हरा दिया। अब जो लोग हार गए हैं, वे संसद सदस्यों के जरिए वह हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं जिसकी इजाजत जनता ने नहीं दी थी। देश संविधान बदलने की ऐसी साजिश को कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने दावा किया कि अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ेगा। यादव ने कहा कि भाजपा को न चंदा मिलेगा, न चढ़ावा और न वोट। 2027 में पीडीए (पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक) गठबंधन के साथ समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी।

सीएम योगी का अखिलेश यादव पर पलटवार

राम भक्तों पर गोली चलाने वाले अयोध्या को क्या धार्मिक नगरी बनाएंगे

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। हाथरस में 548 करोड़ रुपये की लागत वाली 143 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या पहले ही दुनिया भर में अपनी नई पहचान बना चुकी है। योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव के उस बयान पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने सत्ता में आने पर अयोध्या को 'बेमिसाल धार्मिक नगरी' बनाने का वादा किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष का बयान पढ़ा। वह कह रहे हैं कि उनकी सरकार आएगी तो अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाएंगे। आप अयोध्या को धार्मिक नगरी क्या बनाओगे? पहले अपना इतिहास तो देखिए।

राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं

योगी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार में राम भक्तों पर गोलियां चलवाई गई थीं। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या का जो भव्य स्वरूप दिखाई दे रहा है, वह करोड़ों राम भक्तों की आस्था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों का परिणाम है।

कब्रिस्तानों की दीवार बनती थी, हमने मंदिर संवारे

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने हाथरस के 22 से ज्यादा मंदिरों का सौंदर्यीकरण कराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सपा सरकार में सरकारी पैसा कब्रिस्तानों की चारदीवारी बनाने में खर्च होता था, जबकि उनकी सरकार ने उसी संसाधन का इस्तेमाल मंदिरों के विकास और धार्मिक स्थलों को बेहतर बनाने में किया।

मथुरा और काशी पर भी दी चुनौती

मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव को चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह सच में धार्मिक विरासत के विकास की बात करते हैं तो मथुरा, वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विकास का भी खुलकर समर्थन करें। योगी ने कहा कि उनकी सरकार अयोध्या, मथुरा और काशी में श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित कर रही है, जबकि विपक्ष के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है और वह सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति करता है।

कांवड़ यात्रा और जन्माष्टमी पर भी लगाई थीं रोक

मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सपा सरकार ने पुलिस थानों और जेलों में कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन बंद करा दिया था। साथ ही कांवड़ यात्रा पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाई गई थीं।

अस्पताल में अनियमितता मिलने पर कार्रवाई के संकेत: सीएम रेखा गुप्ता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार की पब्लिक ग्रीवांस हियरिंग (जन सुनवाई) के दौरान मिली शिकायत के बाद, शालीमार बाग के फोर्टिस हॉस्पिटल का तुरंत इंस्पेक्शन करने का आदेश दिया है। अधिकारियों की एक टीम ने हॉस्पिटल का इंस्पेक्शन किया और शुरूआती गड़बड़ियों की रिपोर्ट दी, जिसके बाद सरकार ने वादा किया कि अगर कोई गड़बड़ी कन्फर्म होती है तो सख्त एक्शन लिया जाएगा। यह एक्शन तब शुरू किया गया जब मुख्यमंत्री के जन सुनवाई प्रोग्राम के दौरान एक नागरिक ने चिंता जताई। तुरंत एक्शन लेते हुए, उट रेखा गुप्ता ने डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन को आरोपों को वेरिफाई करने के लिए शालीमार बाग के फोर्टिस हॉस्पिटल का मौके पर जाकर इंस्पेक्शन करने का निर्देश दिया। सरकारी अधिकारियों की एक टीम ने हॉस्पिटल का दौरा किया और डिटेल में इंस्पेक्शन किया। मुख्यमंत्री ऑफिस के मुताबिक, विजिट के दौरान कुछ गड़बड़ियां देखी गईं। अधिकारियों ने कहा कि कोई भी फाइनल एक्शन लेने से पहले अब एक पूरी रिपोर्ट की जांच की जाएगी।

भाजपा के लिए जनता ‘टैक्स और वसूली का जरिया’ बनकर रह गई है : मल्लिकार्जुन खरगे

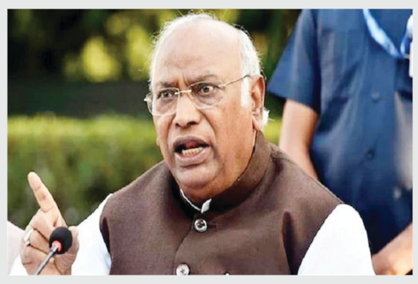

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भाजपा जनता को केवल 'टैक्स और वसूली का जरिया' मान रही है। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जब पश्चिम एशिया में युद्ध जारी था, तब कच्चे तेल की कीमत 138 डॉलर प्रति बैरल थी और उस समय पेट्रोल 94.77 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर बिक रहा था।

■ उन्होंने दावा किया कि अब कच्चे तेल की कीमत घटकर 70.71 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, लेकिन इसके बावजूद पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर की दर से बेचा जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया कि जब कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट आई है, तो केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल के दाम कम क्यों नहीं कर रही है?

■ उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि पश्चिम एशिया में युद्ध का हवाला देकर भाजपा सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम दोगुना कर दिए थे, लेकिन आपूर्ति सामान्य होने के बावजूद कीमतों में कमी नहीं की जा रही है। खरगे ने कहा कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर, प्रवासी श्रमिकों के उपयोग में आने वाले पांच किलोग्राम के छोटे सिलेंडर और सीएनजी की कीमतों में भी वृद्धि की गई है।

वीबी जी राम जी केवल केंद्रीकरण, राज्यों पर बढ़ते वित्तीय बोझ की गारंटी देगा: जयराम रमेश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर लाए जा रहे 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम (वीबी जी-राम जी अधिनियम)' को लेकर कई राज्यों ने चिंताएं जताई हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि नया कानून केवल केंद्रीकरण और राज्यों पर बढ़ते वित्तीय बोझ की गारंटी देगा।

■ रमेश ने कहा कि मध्यप्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित प्रदेशों ने राज्यों पर डाले जाने वाले भारी अतिरिक्त वित्तीय बोझ का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि चार अन्य राज्य सरकारों ने खेती के व्यस्त मौसम के दौरान इस योजना में प्रस्तावित 'ब्लैकआउट अवधि' (जिस दौरान योजना के तहत काम उपलब्ध नहीं होगा) का विरोध किया है। कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की मांग की है। रमेश ने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का अपना गृह राज्य मध्य प्रदेश भी मोदी सरकार की इस नयी महत्वाकांक्षी योजना को लेकर चिंता जता रहा है।

■ कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हमेशा की तरह 'प्रतिशोधी और तुच्छ' राजनीति से प्रेरित मोदी सरकार ने ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति, राज्य सरकारों और अन्य संबंधित पक्षों से गहन परामर्श किए बिना ही मनरेगा को समाप्त करने का विधेयक संसद से जबरन पारित करा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अब यह सामने आ रहा है कि मनरेगा के बदले लायी गयी और एक जुलाई से शुरू होने वाली वीबी जी राम जी योजना को लेकर कई राज्यों ने गंभीर चिंताएं जतायी हैं।

■ उन्होंने कहा कि मनरेगा ने संविधान से प्राप्त काम के अधिकार की गारंटी दी थी। जबकि वीबी जी-राम जी केवल केंद्रीकरण और राज्यों पर बढ़ते वित्तीय दबाव की गारंटी देगा। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर एक चार्ट भी साझा किया, जिसमें 'मोदी सरकार द्वारा आपके काम के अधिकार पर चार हमले' शीर्षक से सरकार पर आरोप लगाए गए। चार्ट में आरोप लगाया गया कि वीबी जी राम जी अधिनियम के जरिए सरकार काम के अधिकार, उचित मजदूरी के अधिकार, पंचायती राज व्यवस्था और राज्यों की वित्तीय स्थिति पर 'हमला' कर रही है।

■ कांग्रेस का आरोप है कि यह नया कानून केवल 'अत्यधिक केंद्रीकरण' और 'ग्रामीण श्रमिकों की सौदेबाजी की शक्ति को कमजोर करने' की गारंटी देता है। केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि वीबी जी राम जी एक जुलाई से पूरे देश में लागू होगा और यह करीब दो दशक पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा। नए कानून के तहत एक नया ढांचा लागू किया जाएगा, जिसमें ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों की वैधानिक मजदूरी पर आधारित रोजगार की गारंटी देने का प्रावधान है।

बंगाल में यूसीसी और ‘योगी मॉडल’ की तैयारी

आज विधानसभा में 5 विधेयक पेश करेगी शुभेंदु सरकार

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार सोमवार को विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में कई अहम विधेयक पेश करने जा रही है। इनमें सबसे चर्चित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक है, जिसे भाजपा सरकार पेश कर सकती है। यूसीसी के साथ विशेष सत्र में चार और विधेयक भी पेश किए जाएंगे, जिसमें अवैध तरीके से अर्जित संपत्तियों की जब्ती और नीलामी से संबंधित बिल भी शामिल होगा।

बंगाल में योगी मॉडल की तर्ज पर नए कानून की तैयारी

इसके अलावा राज्य सरकार पश्चिम बंगाल सार्वजनिक सुरक्षा और असामाजिक गतिविधि नियंत्रण विधेयक, 2026 भी पेश करेगी, जिसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मॉडल की तर्ज पर तैयार किया गया है। इस कानून के जरिए संगठित अपराध, अवैध खनन, हथियार और ड्रग्स तस्करी, मानव तस्करी तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी गतिविधियों पर सख्ती की जाएगी। प्रस्तावित कानून में किसी व्यक्ति को जन सुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए एक वर्ष तक हिरासत में रखने और अपराधियों की संपत्ति जब्त करने का प्रावधान भी रखा गया है।

तय समय के भीतर राज्य में यूसीसी लागू करेगी शुभेंदु सरकार

मालूम हो कि भाजपा ने अपने चुनावी 'संकल्प पत्र' में वादा किया था कि सत्ता में आने के छह महीने के भीतर राज्य में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा, और अब सरकार उसी 'संकल्प' को सिद्ध करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। पार्टी द्वारा चुनावी संकल्प पत्र में बताई गई छह महीने की समय-सीमा से काफी पहले ही सरकार यूसीसी विधेयक लाने जा रही है। यह घटनाक्रम हाल के समय में बंगाल में कानूनी और सामाजिक नीति के सबसे अहम बदलावों में से एक हो सकता है, क्योंकि भाजपा यूसीसी को महत्वपूर्ण सुधार के तौर पर पेश कर रही है।

सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी व्यवस्था होगी लागू

प्रस्तावित कानून के तहत विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी व्यवस्था लागू होगी। सरकार का दावा है कि इससे लैंगिक समानता और समान नागरिक अधिकारों को बढ़ावा मिलेगा। सरकार सार्वजनिक अव्यवस्था, दंगे, आगजनी, तोड़फोड़ और पुलिसकर्मियों व लोकसेवकों पर हमलों से निपटने के लिए भी विधेयक लाएगी। इन कानूनों के तहत दोषियों की संपत्ति जब्त व नीलाम कर सरकारी नुकसान की भरपाई की जा सकेगी।

एक दिवसीय विशेष सत्र बेहद अहम

सरकार का दावा है कि ये कानून राज्य में कानून-व्यवस्था मजबूत करने और अपराध पर लगाम लगाने के लिए ऐतिहासिक साबित होंगे, जबकि विपक्ष और मानवाधिकार संगठनों के बीच इसे लेकर बहस तेज होने के आसार हैं। सोमवार का विधानसभा सत्र इसलिए राजनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है।

कराची हमले को लेकर भारत का पाकिस्तान को करारा जवाब

उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकें

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत ने कराची में पाकिस्तान रेंजर्स के कैंप पर आतंकवादी हमले को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। साथ ही पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए कहा है कि आतंकवाद को पालने वाले देश को दूसरे पर उंगली उठाने से पहले अपनी गिरेबान में झांकना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में मीडिया के प्रश्नों के उत्तर में रविवार को कहाकि हमने कराची में हाल ही में हुई घटना के संबंध में भारत के विरुद्ध निराधार आरोप लगाने वाली पाकिस्तान की रिपोर्टें देखी हैं। गौरतलब है कि शनिवार रात पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने कराची में सिंध रेंजर्स मुख्यालय पर आतंकी हमले को विफल करते हुए छह आतंकवादियों को मार गिराया। साथ ही एक घायल हमलावर को जीवित पकड़ लिया। इस हमले में अर्ध सैनिक बल के चार जवानों की भी मौत हो गई।

हम अस्वीकार करते हैं आरोप

रणधीर जायसवाल ने कहाकि हम इन आरोपों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं। दूसरों पर अंगुली उठाने के बजाय, पाकिस्तान को अपने भीतर झांकना चाहिए, अपने क्षेत्र में मौजूद आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए तथा राज्य की नीति के एक साधन के रूप में आतंकवाद पर निर्भर रहने की अपनी प्रवृत्ति का परित्याग करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस हमले में पाकिस्तान के चार रेंजर्स के मारे जाने की खबर है। सुरक्षा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकी संगठन जमात-उल-अहरार के आतंकवादियों ने शनिवार रात लगभग 8:30 बजे कराची के घनी आबादी वाले गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में स्थित सिंध रेंजर्स के भिट्टाई विंग मुख्यालय पर हमला किया।

सिंध के सीएम ने मांगी रिपोर्ट

सीएम मुराद अली शाह ने प्रांतीय पुलिस प्रमुख और कराची के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक को घटना की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। 'रेस्क्यू 1122' सिंध ने बताया कि उसे गुलिस्तान-ए-जौहर के ब्लॉक-5 के पास विस्फोट की सूचना मिली थी। केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से तुरंत राहत एवं बचाव दल रवाना किए गए।

हिंदमाता एंकर: राज्य के करीब 9 जिले इस समय बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त ...

अरुणाचल में भारी बारिश और बाढ़ से तबाही, 3 की मौत-कई लापता; 9 जिलों में हाई अलर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश में इन दिनों कुदरत का कहर बरप रहा है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बाद राज्य के कई हिस्सों में अचानक आई बाढ़ और भीषण भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। इस आपदा के चलते राज्य में मृतकों की संख्या बढ़कर अब तक तीन हो गई है, जबकि कई अन्य लापता हैं। जानकारी के अनुसार राज्य के करीब 9 जिले इस समय बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। सड़कों के टूटने और पुलों के दरकने से कई इलाकों का संपर्क कट गया है।

बचाव कार्य में जुटी एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीम

राज्यभर में गंभीर होती स्थिति को देखते हुए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मलबे और उफनती नदियों के बीच मुस्तैदी से रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। दूसरी ओर मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए भारी से अत्यंत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिससे आने वाले दिनों में चुनौतियां और बढ़ने की संभावना तेज हो गई है।

मौत का आंकड़ा बढ़कर हुआ तीन

जानकारी के अनुसार केयी पान्योर जिले में आई बाढ़ के बाद लापता हुए सौरव कुमार खरवार का शव रविवार को पड़ोसी जिले पापुम पारे के 'हवा कैंप' के पास से बरामद किया गया। इसके साथ ही मरने वालों की संख्या 3 हो गई है। इसके अलावा बुधवार को आई इस बाढ़ में कुल 5 लोग लापता हुए थे। दो महिलाओं के शव पहले ही मिल चुके हैं, जबकि बाकी बचे 2 लोगों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन पांचवें दिन भी जारी रहा।

हेलीकॉप्टर भेजी जा रही मदद

बचाव कार्य को मजबूत करने के लिए एनडीआरएफ के 23 अतिरिक्त जवान रविवार को प्रभावित इलाके के लिए रवाना हुए। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भी हेलीकॉप्टर के जरिए राहत सामग्री भेजने की तैयारी में है, जो मौसम साफ होते ही रवाना होगी।

कहां कितना नुकसान?

अभी तक सामने आई जानकारी के अमुसार बाढ़ और भूस्खलन के कारण राज्य के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। शुरूआती अनुमान के मुताबिक, केयी पान्योर जिले के पूसा स्थित नीपको कॉलोनी में करीब 30 घर पूरी तरह बह गए या तबाह हो गए हैं। इसके अलावा पोस्सा और पीटापूल इलाकों में 10 घर नष्ट और 14 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिले में कुल 128 परिवार प्रभावित हुए हैं। विस्थापित हुए 60 लोगों के लिए नीपको कैंपस में एक राहत कैंप बनाया गया है। वहीं ईस्ट सियांग जिले के लेदुम में भी रविवार सुबह बाढ़ आई। वहीं, लेपाराडा जिले के बसार में किडी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे एक मुख्य पुल को खतरा पैदा हो गया है। राज्य के कुल 9 जिले इस आपदा से प्रभावित हैं।

अगले 24 घंटे भारी, मौसम विभाग का अलर्ट

मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के लिए बेहद डराने वाली चेतावनी जारी की है। सोमवार सुबह तक राज्य के कुछ हिस्सों में 200 मिमी (20 सेमी) से अधिक बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार भारी बारिश के चलते पापुम पारे और ईस्ट सियांग में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है, लोअर सुबनसिरी, लेपाराडा, लोअर सियांग, वेस्ट कामेंग और लोअर दिबांग घाटी जैसे कई जिलों में 'भारी बारिश' की चेतावनी दी गई है।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में बड़ा एक्शन, आरोपियों के घर पुलिस की छापेमारी

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। इस केस की जांच कर रही टीमों ने रविवार को अयोध्या में रहने वाले सभी आरोपियों के घरों पर छापेमारी की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अपनी जांच में तेजी ला रही है, ताकि इस पूरे मामले से जुड़े तथ्यों का पूरी तरह खुलासा हो सके। पुलिस इस मामले के हर एक पहलू को गहराई से देख रही है, जिससे सच्चाई सामने आ सके। जांच टीम ने अपनी कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए अयोध्या में रहने वाले आरोपियों के घरों पर कार्रवाई की है। पुलिस की अलग-अलग टीमें अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, मुख्य आरोपी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, मनीष यादव, करुणेश पांडे और रमा शंकर मिश्रा के घर पहुंचीं। इन सभी ठिकानों पर पुलिस पूरी बारीकी से तलाशी ले रही है, ताकि केस से जुड़े अहम सबूत जुटाए जा सकें। जांच टीमें एक-एक घर के कोने खंगाल रही हैं ताकि कोई भी सबूत छूटने न पाए।

■ जांच के दौरान पुलिस अयोध्या में अविनाश शुक्ला के किराये के मकान पर भी पहुंची। जानकारी के मुताबिक, अविनाश शुक्ला प्रतापगढ़ का निवासी है और उसने कुछ महीने पहले यह किराये का मकान खाली कर दिया था। पुलिस ने मकान के आसपास रहने वाले लोगों और नीचे की दुकान चलाने वाले दुकानदार का बयान भी दर्ज किया। इस मामले की गहराई से जांच कर रही टीमें सिर्फ चोरी की कड़ियों को ही नहीं जोड़ रहीं, बल्कि आरोपियों की कमाई के जरियों का भी पता लगा रही हैं। अपराध के जरिए जो पैसा या संपत्ति जुटाई गई है, उसके सोर्स को ट्रेस किया जा रहा है।

परिजनों और पड़ोसियों से पूछताछ में जुटी पुलिस

कार्रवाई के दौरान स्थानीय मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस आरोपियों के परिजनों से पूछताछ कर रही है। साथ ही आसपास रहने वाले लोगों से भी इन आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों की गतिविधियां पिछले कुछ समय में कैसी थीं और क्या मामले से जुड़ा कोई अहम सुराग मिल सकता है।

बीजेपी के लिए देश नहीं, दान पहले है

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर अखिलेश का तंज

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

अयोध्या के राम मंदिर में कथित दान घोटाले को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसके लिए राष्ट्र नहीं, बल्कि दान सबसे पहले है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने अखिलेश के आरोपों को निराधार बताते हुए पलटवार किया है। प्रयागराज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की प्राथमिकता देश नहीं, बल्कि दान है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले भी स्पष्ट किया है कि इटावा के केदारेश्वर धाम में शिव मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद वह भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए अयोध्या जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुद्दा उनके दर्शन का नहीं, बल्कि मंदिर प्रबंधन में सामने आए कथित मामलों का है। अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कई बार अयोध्या जाकर रिकॉर्ड बनाने की बात करते रहे, लेकिन उन्हें वहीं हो रही कथित अनियमितताओं की जानकारी तक नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कहा जाता है कि 'चिराग तले अंधेरा' होता है।

■ उधर हाथरस में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने भगवान राम के भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। उन्होंने सवाल किया कि जो लोग सत्ता में रहते हुए अयोध्या के लिए कुछ नहीं कर सके, वे अब धार्मिक नगरी बनाने की बात कैसे कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के पास प्रदेश के विकास और अयोध्या, मथुरा तथा काशी की पहचान को आगे बढ़ाने का कोई एजेंडा नहीं है।

न किसी को बचाया जाएगा, न कुछ छिपाया जाएगा

वहीं वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि राम मंदिर दान मामले में कुछ भी छिपाया नहीं जाएगा और किसी को बचाया भी नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं चाहते हैं कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सच्चाई सामने आए। उन्होंने अखिलेश यादव के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि अब वह 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर राजनीति कर रहे हैं। आलोक कुमार ने यह भी कहा कि अगर अगले चार से पांच महीनों के भीतर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया जाता है, तो इससे मंदिर में हुए कथित घोटाले से लोगों का भरोसा दोबारा मजबूत होगा।

■ प्रयागराज में अखिलेश यादव ने भाजपा और योगी सरकार पर कई मुद्दों को लेकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लिए 'नेशन फर्स्ट' नहीं बल्कि 'डोनेशन फर्स्ट' है और राम मंदिर के कथित दान घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने पेपर लीक, भर्ती घोटालों, आरक्षण, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा तथा कहा कि सपा की सरकार बनने पर वार्षिक भर्ती कैलेंडर, सुरक्षित परीक्षा प्रणाली, उम्र सीमा में छूट और दोषियों के खिलाफ फास्ट ट्रैक कार्रवाई की जाएगी। अखिलेश ने यूपी में फर्जी एनकाउंटर, स्कूल बंद होने, पीएससी की बदहाल स्थिति और लखनऊ अग्निकांड को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए।

शॉर्ट स्टोरी

'सम्राट तो अंगूठाछाप सीएम हैं', तेजस्वी यादव का बड़ा हमला

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

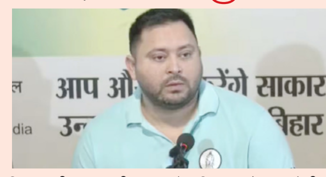

बिहार की राजधानी पटना में रविवार को आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सम्राट सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि बिहार में 21 साल से सत्ता में बैठी सरकार से जनता अब जवाब मांग रही है। तेजस्वी ने सरकार की आर्थिक हालत, घोटालों और एक चर्चित मामले को लेकर कई तीखे सवाल उठाए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरूआत में तेजस्वी यादव ने मीडिया के सभी साथियों का स्वागत किया और सबसे शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करती है, उसी से जनता आज जवाब चाहती है। तेजस्वी ने कहा कि पिछले कई महीनों से एक मामले को लेकर चर्चा चल रही है, जिसमें बड़े अधिकारियों, मंत्रियों और मुख्यमंत्री कार्यालय तक के लोगों की भूमिका की बात सामने आ रही है। उन्होंने इस मामले पर कुछ गंभीर सवाल पूछे हैं, जिनका जवाब जनता जानना चाहती है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार की गलत नीतियों के कारण बिहार की आर्थिक हालत खराब हो रही है। उनका कहना है कि राज्य की कमाई घट रही है, कर्ज बढ़ रहा है और भ्रष्टाचार बेकाबू हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास कर्मचारियों को वेतन देने, छात्रों को स्कॉलरशिप देने और किसानों व पेंशनरों को पैसा देने तक के लिए फंड नहीं बचा है, लेकिन भ्रष्ट लोगों की कमाई लगातार बढ़ रही है। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ने इमरजेंसी फंड से करीब 3,660 करोड़ रुपये निकाले हैं, जो सामान्य सरकारी योजनाओं पर खर्च किए जा रहे हैं।

पहले हाथ-पैर बांधे, फिर आंखों पर पट्टी, फिर 30 लाख की डकैती

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर में हथियारबंद बदमाशों ने एयर फोर्स के एक जवान के घर को निशाना बनाया। बदमाशों ने घर में घुसकर जवान की मां को बंधक बना लिया और करीब 30 लाख रुपए से ज्यादा के सोने-चांदी के जेवर, नकदी और मोबाइल लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। घटना औराई थाना क्षेत्र के राजखंड वार्ड-1 में शुक्रवार देर रात की है। पीड़ित और रिटायर शिक्षक शंकर दयाल शाही ने पुलिस को बताया कि वे घर के बाहर सो रहे थे, जबकि उनकी पत्नी सुनीता देवी घर के अंदर थीं। देर रात करीब 12 बजे चार से पांच बदमाश सीढ़ी के सहारे घर में दाखिल हुए। बदमाशों ने बंदूक की नोक पर सुनीता देवी की आंखों पर पट्टी बांध दी और रस्सी से उनके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद पूरे घर में तलाशी ली। बदमाशों ने घर में रखी आलमारी और ट्रंक का ताला तोड़कर करीब 200 ग्राम सोने के आभूषण, लगभग एक किलो चांदी के जेवर, 70 हजार रुपए कैश और मोबाइल फोन लूट लिए। पीड़ित परिवार के मुताबिक, लूटे गए सामान की कुल कीमत 30 लाख रुपये से अधिक है। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बुजुर्ग दंपति घर में अकेले रहते हैं। उनका बेटा रविरंजन कुमार इंडियन एयर फोर्स में है और फिलहाल राजस्थान में तैनात है। अनुमान लगाया जा रहा है कि बदमाशों को पहले से पता था कि घर में सिर्फ बुजुर्ग दंपति ही मौजूद हैं। इसी वजह से उन्होंने इस घर को निशाना बनाया। घटना की सूचना मिलते ही औराई थाना पुलिस और सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का जायजा लिया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। साथ ही स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। डीएसपी पूर्वी-1 अलय वत्स ने बताया कि रिटायर्ड टीचर के घर डकैती की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

24 घंटे में महज 4 घंटे बिजली, गर्मी में लोगों का जीना हुआ मुश्किल

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

फरिहा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। भीषण गर्मी और उमस के बीच महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों तथा मरीजों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली की अनियमित आपूर्ति को लेकर ग्रामीणों में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि 24 घंटे में मुश्किल से चार से पांच घंटे ही बिजली मिल रही है। इस दौरान भी कई बार ट्रिपिंग होने से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही। बिजली की आंख-मिचौनी के कारण घरों में पंखे और कूलर बंद पड़े रहते हैं, जिससे दिन और रात दोनों समय लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। क्षेत्र के सुराई, मैनपारपुर, लहबरिया, फरिहा सहित आसपास के गांवों को मोहम्मदपुर विद्युत उपखंड से बिजली आपूर्ति की जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से कटौती का सिलसिला लगातार जारी है। दिन में लोग किसी तरह पेड़ों की छांव में समय बिताकर गर्मी से राहत पाने का प्रयास करते हैं, लेकिन रात में बिजली नहीं रहने से सोना मुश्किल हो गया है। उमस भरी गर्मी के कारण छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ गई है। ग्रामीण आलोक, पप्पू, तबरेज, शाह आलम फराही, प्रदीप यादव, अजय, विनोद और जावेद आलम फराही ने बताया कि फरिहा फीडर की समस्या वर्षों पुरानी है। हर साल गर्मी के मौसम में सबसे पहले इसी फीडर की बिजली व्यवस्था चरमरा जाती है, लेकिन विभाग की ओर से केवल आश्वासन मिलता है। उनका कहना है कि बिजली आने पर भी बार-बार ट्रिपिंग होने से घरेलू उपकरण खराब होने का खतरा बना रहता है। इस संबंध में मोहम्मदपुर विद्युत उपखंड के एसडीओ निखिल कुमार सिंह ने बताया कि रोस्टिंग और बढ़ते तापमान के कारण बिजली पर लोड काफी बढ़ गया है।

प्रयागराज के मेजा तहसील निवासी समाजकर्मी अंकित तिवारी का देशव्यापी बौद्धिक संवाद अभियान

विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से मुलाकात कर सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने की पहल

हिंदमाता नेटवर्क @ प्रयागराज

मेजा तहसील के निवासी समाजकर्मी अंकित तिवारी ने देशभर में एक व्यापक बौद्धिक संवाद अभियान चलाते हुए विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों, पूर्व कुलपतियों, प्रशासकों, सामाजिक कार्यकताओं, साहित्यकारों, पर्यावरणविदों और विचारकों से मुलाकात की। इस पहल के तहत उन्होंने गांधी दर्शन, राजनीति, कानून, लैंगिक असमानता, कृषि, शिक्षा, संस्कृति, इतिहास, स्वास्थ्य, परिवार व्यवस्था, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, नशा, दलित एवं आदिवासी मुद्दों, सनातन धर्म, पंचायत व्यवस्था, जन आंदोलन, आर्थिक असमानता, नदी एवं जलस्रोत संरक्षण, सूचना का अधिकार जैसे अनेक समसामयिक और ज्वलंत विषयों पर विस्तृत संवाद किया। देश के विभिन्न राज्यों-दिल्ली, महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, कश्मीर, उत्तराखंड सहित अन्य क्षेत्रों में सक्रिय चर्चित शख्सियतों से उन्होंने मुलाकात कर विचारों का आदान-प्रदान किया। इनमें पूर्व कुलपतियों, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष, इतिहासकारों, सामाजिक आंदोलन से जुड़े वरिष्ठ कार्यकताओं, लेखकों और पर्यावरणविदों के साथ-साथ पद्म सम्मान एवं साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त व्यक्तित्व भी शामिल रहे।

■ इस संवाद श्रृंखला में उन्होंने प्रोफेसर जनक पांडेय, डॉ। राजा राम मोहन यादव, प्रोफेसर गिरीश त्रिपाठी, प्रोफेसर के.बी। पांडेय, इतिहासकार प्रोफेसर हेरंब चतुर्वेदी, प्रोफेसर हरि शंकर उपाध्याय, प्रोफेसर रामचंद्र त्रिपाठी, प्रोफेसर धनकर ठाकुर, लेखक भरत दोषी, प्रोफेसर एम.पी। दुबे, प्रोफेसर विमल त्रिपाठी, रामधीरज जी, नदी परिषद से जुड़े रमन त्यागी, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, आचार्य हरिकृष्ण शुक्ला, साहित्यकार अजामिल, प्रोफेसर अर्चना चंद्रा, रेड ब्रिगेड की उषा विश्वकर्मा, प्रोफेसर हरि दत्त शर्मा, पद्मश्री लक्ष्मण सिंह, पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, पर्यावरणविद अनिल प्रकाश, पद्मश्री हिम्मत राम, डॉ। चंद्र शेखर प्राण, पर्यावरणविद कुलभूषण उपमन्यु, पूर्व सचिव सुनील कुमार, प्रोफेसर विक्रम हरिजन सहित सैकड़ों व्यक्तियों से संवाद स्थापित किया।

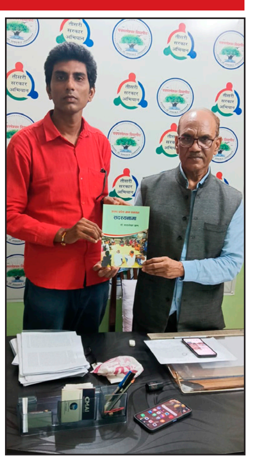

मोहर्रम जुलूस में बवालः कानपुर में दो पक्षों के बीच चले लाठी-डंडे

13 आरोपियों पर मुकदमा

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

यूपी के कानपुर से चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। कानपुर के रहमानी मार्केट के पास मंगलवार देर रात मोहर्रम जुलूस के दौरान लोगों में मारपीट हो गई। इसके बाद विवाद बढ़ा तो जुलूस युद्ध के मैदान में तब्दील हो गया। देखते ही देखते लाठी डंडे चलने लगे। जिससे भगदड़ मच गई। जिसमें एक युवक गिर कर घायल हो गया।

तीन नामजद समेत 13 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा

जानकारी के मुताबिक शनिवार रात को मारपीट के कुछ वीडियो वायरल हुए हैं। जिसके बाद वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए चौकी प्रभारी ने तीन नामजद समेत 13 आरोपियों के खिलाफ बजरिया थाने में बलवा की धारा मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 23 जून की देर रात मोहर्रम का जुलूस बजरिया के मोहम्मद अली पार्क से होकर गुलाब घोषी मस्जिद की तरफ निकल रहा था। जुलूस मस्जिद से अंदर गली में घुसकर कंघी मोहाल से हुए रूपम चौराहे से रहमानी मार्केट की तरफ बढ़ा।

जुलूस में जमकर चले लाठी-डंडे

बता दें कि जुलूस में शामिल दो पक्षों के बीच मारपीट शुरू होने के बाद लाठी-डंडे चलने लगे। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फूलमती चौकी प्रभारी रोहित शर्मा घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की जांच पड़ताल शुरू की। पूछताछ में पता चला कि वीडियो में युवक पीटते दिखा उसका नाम उसका नाम फरदीन गनी है। पुलिस जांच में पता चला कि 23 जून की रात 2:45 बजे फरहान, हाजी शमशाद के बेटे इस्माइल, फैज व अन्य 8 से 10 अज्ञात लोगों ने मारपीट की है। चौकी प्रभारी ने आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पड़ोसी से प्रेम में पत्नी निशा बनी कातिल, पेट्रोल डालकर पति को जिंदा जलाया

हिंदमाता नेटवर्क @ बागपत

बागपत में 'पड़ोसी' से 'दिल्लगी' का अंजाम इतना खौफनाक होगा, किसी ने सोचा भी नहीं था। यहां पत्नी ने पति को पहले नींद की गोलियां देकर सुलाया और फिर पेट्रोल डालकर जिंदा फूंक दिया। वहीं 7 दिन बाद 80 फीसद जल चुका पति जिंदगी से जंग हार गया और उसकी मौत हो गई। ये एक ऐसी दास्तां जिसने रूह को अंदर तक झकझोर दिया है। दरअसल बागपत के बिनौली थाना क्षेत्र के बिजवाड़ा गांव का रहने वाला राजीव अपनी पत्नी निशा उर्फ नीशू के साथ रहता था। लेकिन घर की चारदीवारी के भीतर कुछ ऐसा पक रहा था, जिसकी भनक भी राजीव को लग गई थी। पत्नी निशा का प्रेम-प्रसंग अपने ही पड़ोसी विक्रांत के साथ चल रहा था। राजीव आए दिन इस अवैध रिश्ते का कड़ा विरोध करता था, जो शायद निशा और उसके प्रेमी विक्रांत के लिए सबसे बड़ी बाधा बन चुका था। ऐसे में 20 जून की रात को निशा और विक्रांत ने एक ऐसी साजिश को अंजाम दिया, जिसे सुनकर किसी की भी रूह कांप जाए।

80 प्रतिशत तक झुलस गया था राजीव

आग की लपटों में घिरे राजीव की चीखें सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। राजीव 80 प्रतिशत तक झुलस चुका था। गंभीर रूप से झुलसे राजीव को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अस्पताल के बिस्तर पर 7 दिनों तक राजीव मौत और जिंदगी के बीच झूलता रहा।

कानपुर एयरपोर्ट पर हादसा! चलते प्लेन के पंखे से टकराई महिला पायलट

ऑर्गनाइजेशन ने छुपाई बात, एक्शन में डीजीसीए

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

कानपुर एयरपोर्ट पर बड़े हादसे की खबर सामने आ रही है। कानपुर एयरपोर्ट में सुरक्षा में बड़ी चूक के कारण एक महिला कैडेट पायलट गंभीर रूप से घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, एक फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन में शुक्रवार (26 जून) देर रात एक महिला कैडेट पायलट को ट्विन-इंजन वाले ट्रेनर एयरक्राफ्ट से तब उतरने के लिए कहा गया, जब उसके प्रोपेलर (पंखे) चल रहे थे। जैसे ही वह प्लेन से उतरकर दूर जा रही थी, तभी प्रोपेलर उसकी पीठ से टकरा गया। सूत्रों के अनुसार, इस टक्कर में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि महिला कैडेट को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में अब आरोप लगाया जा रहा है कि फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन ने इस दुर्घटना की जानकारी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन को नहीं दी।

नाइट इंस्ट्रक्शनल फ्लाइंग के दौरान हादसा

26 जून 2026 को कानपुर चकेरी एयरपोर्ट पर गार्ग एविएशन का ट्विन-इंजन वाला टेक्नाम पी2006टी एयरक्राफ्ट नाइट इंस्ट्रक्शनल फ्लाइंग (रात में प्रशिक्षण उड़ान) कर रहा था। एयरक्राफ्ट में एक फ्लाइट इंस्ट्रक्टर और एक कैडेट सवार थे। लैंडिंग के बाद, ट्रेनी पायलट इंजन चालू रहने के दौरान ही एयरक्राफ्ट से नीचे उतरी। चलते हुए प्रोपेलर की चपेट में आने से कैडेट की पीठ में चोट लग गई। उसे कानपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांच पूरी होने तक संबंधित इंस्ट्रक्टर को फ्लाइंग ट्रेनिंग की ड्यूटी से हटा दिया गया है। साथ ही, डीजीसीए ने जांच पूरी होने तक घटना में शामिल एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल न करने का निर्देश दिया है। फिलहाल, डीजीसीए इस मामले की जांच कर रहा है।

कानपुर पुलिस के हत्थे चढ़ा हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर

33 मुकदमों का अपराधिक इतिहास, सताने लगा एनकाउंटर का डर

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

यूपी की कानपुर पुलिस ने एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। कानपुर के रावतपुर में महंत की हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल गैंगस्टर अजय ठाकुर को पुलिस ने रतनलाल नगर से अरेस्ट किया है। रतनलाल नगर में शनिवार दोपहर कार वाशिंग सेंटर के पास गैंगस्टर की लोकेशन मिली थी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे दबोच लिया। पकड़े जाते ही उसे एनकाउंटर का खौफ सताने लगा।

आरोपी पर 32 से अधिक मुकदमें दर्ज है

पकड़े जाने के बाद गैंगस्टर अजय ठाकुर को एनकाउंटर का खौफ सताने लगा और अजय ठाकुर जोर-जोर से चिल्लाते हुए बोला अगर मुझे कुछ हुआ तो इसकी जिम्मेदार यह लोग होंगे। इसके बाद पुलिस टीम उसे जीप में लादकर कर ले गई। अजय ठाकुर के खिलाफ 32 से अधिक मुकदमें दर्ज हैं। बीते 29 अप्रैल को केशवपुरम के रामप्रताप नगर स्थित त्रिलोकी धाम आश्रम के महंत रविकांत शुक्ला उर्फ भोला गिरी पर हमला किया गया था।

त्रिलोकी धाम आश्रम के महंत रविकांत शुक्ला पर किया था हमला

महंत के मुताबिक आश्रम के पास रहने वाली एक छात्रा से मिलने अजय ठाकुर हमेशा आता था। उन्होंने कई बार इसका विरोध किया। इसके बाद अजय ठाकुर रंजिश मानने लगा था। महंत का आरोप है कि 29 अप्रैल की शाम अजय अपने साथियों के साथ आश्रम पहुंचा था। गेट खुलते ही उसने हमला कर दिया था। जान बचने के लिए उन्हें रूम छोड़ कर भागना पड़ा था। जबकि हमलावरों ने बाहर से पथराव भी किया था। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर, उसकी गर्लफ्रेंड और उसकी मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद से पुलिस उसके तलाश में जुटी थी। बता दें कि कानपुर में महंत पर जानलेवा हमले का आरोपी वांछित चल रहा था। हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर सोशल मीडिया अकाउंट पर भी काफी एक्टीव रहता है अपने प्रभाव और रसूख का प्रदर्शन भी करता हुआ दिखाई देता है।

हिंदमाता एंकरः हाईवे पर रिवर्स ले रही कार को पीछे से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी, हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी

कैमरे में कैद हुआ मौत का मंजर, रिवर्स ले रही कार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने रौंदा, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर दो दिन पहले हुए भीषण सड़क हादसे का सीसीटीवी वीडियो अब सामने आ गया है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो में हादसे का पूरा घटनाक्रम कैमरे में कैद दिखाई दे रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि हाईवे पर रिवर्स ले रही कार को पीछे से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। दरअसल, यह हादसा रामपुर मनिहारान थाना क्षेत्र के गांव हलगोया कट के पास हुआ था। मृतक परिवार हरियाणा के बहादुरगढ़ से हरिद्वार गंगा स्नान और दर्शन के लिए जा रहा था। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई थी और राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना देकर राहत कार्य शुरू कराया था। अब सामने आए सीसीटीवी वीडियो ने हादसे की भयावहता को बयां कर दिया है।

कैसे हुआ हादसा?

वायरल वीडियो के मुताबिक, मृतक परिवार की कार हलगोया कट पर चढ़ने के बजाय सीधे हाईवे पर आगे निकल गई थी। बताया जा रहा है कि चालक कट पार कर गया था और निमार्णाधीन हाईवे की ओर वापस जाने के लिए कार को रिवर्स कर रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही स्कॉर्पियो ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के अगले और पिछले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि स्कॉर्पियो पलटकर सड़क पर जा गिरी। पूरी घटना हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। अब यही वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और पुलिस भी इसे अपनी जांच का अहम हिस्सा मानकर दुर्घटना के हर पहलू की पड़ताल कर रही है।

एक ही परिवार के चार लोगों की गई जान

इस दर्दनाक हादसे में 40 वर्षीय प्रवीन, उनकी 37 वर्षीय पत्नी प्रीति, बुजुर्ग मां सुदेश और नौ वर्षीय शिवांश की मौके पर ही मौत हो गई थी। चारों एक ही परिवार के सदस्य थे और हरिद्वार दर्शन के लिए निकले थे। हादसे में परिवार के तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सभी को तत्काल जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। स्थानीय लोगों और अन्य वाहन चालकों ने क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। इसके बाद पुलिस और एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया।

जांच में जुटी पुलिस, सीसीटीवी भी बना अहम सबूत

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान और एसएसपी अभिनंदन ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी थी। अब सामने आए सीसीटीवी फुटेज को भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। वीडियो फुटेज के आधार पर हादसे के वास्तविक कारणों का परीक्षण किया जा रहा है ताकि पूरी घटना की क्रमवार पड़ताल की जा सके।

पीएम मोदी को सेशेल्स ने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा

जानिए क्यों खास है गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन अवॉर्ड

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में नेतृत्व के लिए सेशेल्स की ओर से देश का सर्वोच्च सम्मान गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन प्रदान किया गया है। रविवार को राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उन्हें ये सम्मान दिया। गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन सम्मान प्रधानमंत्री मोदी की लंबे समय से जारी उस नीति और दृष्टिकोण को मान्यता देता है, जिसमें सतत विकास, हरित विकास और पर्यावरण-अनुकूल नीतियों पर जोर दिया गया है ब्ल यह उपाधि उन कई वैश्विक मान्यताओं में नवीनतम है, जो प्रधानमंत्री मोदी को जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मिल चुकी हैं। पिछले महीने मई 2026 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने उन्हें कृषि क्षेत्र को मजबूत करने, खाद्य सुरक्षा बढ़ाने और सतत कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए एग्रीकोला मेडल प्रदान किया था।

संयुक्त राष्ट्र में भी हो चुके हैं सम्मानित

वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री मोदी को सोल पीस प्राइज से सम्मानित किया गया था, जो वैश्विक सहयोग, समावेशी विकास और सतत आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए दिया जाता है। इसी वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने भी उन्हें प्रतिष्ठित चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवॉर्ड प्रदान किया था जो पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सर्वोच्च वैश्विक सम्मान माना जाता है। सेशेल्स द्वारा दिया गया यह नया सम्मान प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक पर्यावरणीय नेतृत्व और ग्रीन विजन को और अधिक मजबूत मान्यता के रूप में देखा जा रहा है।

तीन दिवसीय सेशेल्स दौरे पर हैं ढट मोदी

भारत के पीएम तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर शनिवार को सेशेल्स पहुंचे। जहां राष्ट्रपति हर्मिनी ने उनका औपचारिक स्वागत किया। रविवार को स्टेट हाउस में प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। पीएम मोदी भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल होंगे और सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करेंगे। जिसके साथ ही वे दुनिया के पहले ऐसे भारतीय प्रधानमंत्री बन जाएंगे जिन्होंने 20 देशों की संसद या नेशनल असेंबली को संबोधित किया है। सेशेल्स रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने खुद इसकी जानकारी दी थी। एक्स पर उन्होंने लिखा, मुझे सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बनने का सम्मान प्राप्त होगा।

फ्रांस में बड़ा विमान हादसा, स्काईडाइविंग स्कूल का प्लेन क्रैश

पायलट समेत 11 लोगों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ पेरिस

फ्रांस के टॉमब्लेन शहर में एक प्लेन क्रैश में 11 लोगों की मौत हो गई। यह प्लेन पैराशूटिंग सिखाने वाले एक स्कूल का था। प्रशासन ने बताया कि इस हादसे में पायलट और सभी 10 यात्रियों मौत हो गई। इसमें पांच स्टूडेंट और पांच इंस्ट्रक्टर शामिल थे। गृह मंत्रालय ने बताया कि फ्रांस के गृह मंत्री घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद दुर्घटनास्थल पर आपातकालीन सेवाएं पहुंच गई। राहत दल ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, विमान दुर्घटना के समय सभी लोग स्काईडाइवर्स के लिए जा रहे थे।

पूर्वी फ्रांस में हुआ हादसा

पूर्वी फ्रांस में रविवार को नैन्सी शहर के निकट टॉमब्लेन इलाके में यह विमान हादसा हुआ है। इसमें पायलट समेत 11 लोग सवार थे। सभी की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त विमान पैराशूटिंग सिखाने वाले एक स्कूल का है। हादसे पर जानकारी देते हुए स्थानीय प्रशासन ने बताया कि इस दुर्घटना में विमान पायलट समेत विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोग स्काई डाइविंग के लिए जा रहे थे। इस दौरान स्थानीय पुलिस ने लोगों से टॉमब्लेन हवाई अड्डे वाले इलाके से दूर रहने का निर्देश दिया है।

पैराशूट ट्रेनिंग स्कूल का है विमान

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे का शिकार प्लेन, पिलाटस पीसी-6 टर्बो पोर्टर नाम का है। यह विमान पैराशूट ट्रेनिंग स्कूल से जुड़ा था। ट्रेनिंग के लिए विमान में 11 लोग सवार होकर जा रहे थे। हादसे में मृत लोगों में 5 इंस्ट्रक्टर और 5 छात्र भी शामिल थे। मतलब हादसे में विमान में मौजूद सभी व्यक्तियों की मौत हो गई।

करांची सिंध रेंजर्स कैंप पर ब्लास्ट के बाद पाक सेना का आलाप

बिना सबूत भारत पर मढ़ा दोष

हिंदमाता नेटवर्क @ कराची

पाकिस्तान के कराची शहर में सिंध रेंजर्स के एक कैंप पर हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर ने इस हमले के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, भारत की ओर से इस आरोप पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। क्ष्ढफ के मुताबिक, 27 जून की रात कराची स्थित पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) के कैंप के मुख्य द्वार पर विस्फोट किया गया। इसके बाद हमलावरों ने कैंप की सुरक्षा घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए तीन हमलावरों को मार गिराया और एक घायल हमलावर को गिरफ्तार कर लिया। पाकिस्तानी सेना का दावा है कि गिरफ्तार किया गया हमलावर अफगान नागरिक है। मुठभेड़ के दौरान तीन पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हुए हैं।

एलओसी पर तनाव बढ़ने की आशंका

साथ ही नियंत्रण रेखा पर भी गतिविधियां बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि, पाकिस्तान के कुछ विश्लेषकों ने इस हमले को फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन भी बताया जा रहा है, लेकिन इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख और सैन्य नेतृत्व ने मारे गए सैनिकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और देश में आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रखने का संकल्प दोहराया है।

पाक सेना ने फिर अलापा भारत राग

आईएसपीआर ने अपने बयान में कहा कि हमलावर प्रतिबंधित संगठन जमात-उल-अहरार से जुड़े थे, जिसे पाकिस्तान ने भारतीय समर्थित संगठन बताया है। पाकिस्तान ने कहा है कि इस हमले के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जाएगी। जमात-उल-अहरार तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का एक अलग गुट माना जाता है, जो अतीत में लाहौर और अन्य शहरों में बड़े बम धमाकों के लिए जिम्मेदार रहा है। संगठन का नेतृत्व उमर खोरासानी के हाथों में माना जाता है। हमले के बाद पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर हवाई और ड्रोन अभियानों में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

यूरोप में जानलेवा हीटवेव का कहर, टूटे गर्मी के सारे रिकॉर्ड

40 डिग्री के पार पहुंचा पारा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

स्कैंडिनेविया से लेकर आल्प्स तक पूरा यूरोप इस समय भीषण और जानलेवा लू की चपेट में है। पूर्व की ओर बढ़ रही इस हीटवेव के कारण दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे जर्मनी, डेनमार्क और चेक गणराज्य में गर्मी के रिकॉर्ड पूरी तरह टूट गए। अत्यधिक गर्मी के कारण पैदा हुए स्वास्थ्य संकट को देखते हुए पोलैंड, फ्रांस और इटली जैसे देशों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि रेल पटरियों और सड़कों को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए जर्मनी में ट्रेन सेवाएं आंशिक रूप से निलंबित कर दी गई हैं। बर्लिन में पारा 39 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ जाने पर स्थानीय पुलिस सड़कों पर लोगों को राहत देने के लिए वॉटर कैनन (पानी की बौछारों) का इस्तेमाल कर रही है। उधर, वैज्ञानिकों ने इस दमघोंटू लू का मुख्य कारण मानव-निर्मित जलवायु परिवर्तन को बताते हुए आगाह किया है कि इसके चलते रात का तापमान दो दशक पहले की तुलना में 100 गुना अधिक गर्म होने की संभावना बढ़ गई है।

जर्मनी में 41 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

जर्मनी के मौसम विभाग के शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक, पूर्वी राज्य सैक्सनी-अनहाल्ट के मोएकर्न-डूबिट्ज में तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने एक दिन पहले सारब्रूकेन में बने 41.3 डिग्री के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। चेक गणराज्य में प्राग के उत्तर में 40.9 डिग्री और डेनमार्क के आरहूस में 37 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया जो 1874 के बाद सबसे ज्यादा है। स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में शुक्रवार को इतिहास की सबसे गर्म रात दर्ज की गई, जबकि स्विट्जरलैंड में भी जून महीने के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए हैं।

'हीटवेव नहीं, हेल्थ संकट है गर्मी'

जर्मनी की ग्रीन पार्टी की पूर्व संसदीय नेता और संघीय सांसद कैट्रिन गोयरिंग-एकार्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ये गर्मी कोई सुहावना मौसम नहीं, बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य संकट है। पर्यावरण वैज्ञानिकों का कहना है कि इंसानों द्वारा किए गए जलवायु परिवर्तन के बिना ऐसी भयानक स्थिति पैदा होना व्यावहारिक रूप से असंभव था। इस खतरनाक मौसमी बदलाव के कारण आल्प्स के पहाड़ी इलाकों में भी रात के समय तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा है, जिससे ग्लेशियरों के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा है।

मौत से नहीं डरती, वतन वापसी पर शेख हसीना का बड़ा ऐलान

बोलीं- लोकतंत्र बहाल करने के लिए लौटूंगी बांग्लादेश

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

भारत में लंबे समय से निर्वासन में रह रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वतन वापसी का बड़ा दावा किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि इसी साल वह बांग्लादेश वापस जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस वापसी में उनकी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है। वे बांग्लादेश में कानून के शासन, लोकतंत्र और लोगों के राजनीतिक अधिकार की बहाली के लिए वापस जाएंगी। इंटरव्यू के दौरान हसीना ने बांग्लादेश में उनकी पार्टी अवामी लीग पर लगे प्रतिबंधों, अंतरिम सरकार, बांग्लादेश की राजनीति, अपने खिलाफ मौत की सजा, देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों और भारत में निर्वासन पर विस्तार से बात की है।

कार्यकताओं को दिया संदेश

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के एक्स हैंडल पर बांग्लादेश वापसी की जानकारी देते हुए पोस्ट किया गया। पोस्ट में लिखा कि पार्टी के 77वें साल पर हमारे नेताओं, कार्यकताओं और समर्थकों के लिए मेरा संदेश साफ है। एकजुट रहें और लोगों के साथ खड़े रहें। हर गांव, हर मोहल्ले, हर वार्ड और हर यूनियन में लोगों के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करें। सताए हुए लोगों का साथ दें।

मौत से नहीं डरतीं : शेख हसीना

मौत की सजा पर शेख हसीना ने बताया कि वे मौत से नहीं डरतीं। उन्होंने बताया कि 1975 में मैंने अपना परिवार खोया है। मुझ पर भी 21 अगस्त को ग्रेनेड से हमला हुआ था। मेरे खिलाफ कई बार साजिश रची गईं, फिर भी मैं लोगों के साथ खड़ी रही। बांग्लादेश की जनता ने मुझे 5 बार देश का प्रधानमंत्री चुना। अपने कार्यकाल में मैंने देश के विकास के लिए बहुत काम किया। इंटरव्यू में शेख हसीना ने बताया कि उनके खिलाफ कोर्ट से जो फैसला आया था, वह राजनीतिक बदले की भावना से किया गया था। उन्होंने इसे अवामी लीग पार्टी को कमजोर करने और नेतृत्व खत्म करने की साजिश बताया। बांग्लादेश सरकार की मौजूदा व्यवस्था पर भी शेख हसीना ने कई सवाल खड़े किए।

30 दिनों में खुल जाएगा होर्मुज

ईरान की चेतावनी- कोई दखल न दे, वरना बढ़ेगा तनाव

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बहुत जल्द दोबारा खोले जाने का दावा किया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इसे ईरान और अमेरिका के बीच साइन हुए समझौते का हिस्सा बताया है। इसके तहत होर्मुज अगले 30 दिनों में ठीक उसी तरह खुल जाएगा, जैसा वो जंग से पहले था। बगदाद में इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन के साथ एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में अराघची ने बताया कि ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से मौजूद सभी बाधाओं को हटा देगा। इसके साथ ही ईरानी मंत्री ने कहा कि होर्मुज का प्रबंधन पूरी तरह से ईरान के तय की गई व्यवस्था के तहत होगा। अराघची ने कहा, 'इसके लिए व्यवस्थाएं अपनाई और लागू की जा रही हैं। इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की है। ईरान और अमेरिका के बीच साइन हुए समझौते के तहत कोई दूसरी संस्था या देश इसकी जिम्मेदारी नहीं लेता है।'

होर्मुज में दखलअंदाजी पर ईरान की चेतावनी

ईरानी विदेश मंत्री ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के प्रबंधन में किसी भी बाहरी देश या संस्था के हस्तक्षेप को लेकर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की दखलअंदाजी से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने में देरी होगी और क्षेत्र में तनाव का स्तर और बढ़ जाएगा। अराघची ने कहा, 'जैसा कि हमने पिछले दो रातों के दौरान देखा है, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुई घटनाओं ने पहले ही तनाव और झड़पों को बढ़ाने में योगदान दिया है।

बिजनेस वर्ल्ड

रीसेल वैल्यू में किआ सेल्टोस अव्वल, पेट्रोल-ऑटोमैटिक वेरिएंट ने बरकरार रखी रिकॉर्ड 79% वैल्यू

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

SELTOS

भारत की प्रमुख मास-प्रीमियम कार निर्माताओं में से एक, किआ इंडिया ने आज घोषणा की है कि स्पिनी के सहयोग से किए गए ऑटोकार इंडिया यूज्ड कार स्टडी के चौथे संस्करण में किआ सेल्टोस मिड-एसयूवी सेगमेंट में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले मॉडल के रूप में उभरी है। इस स्टडी के अनुसार, किआ सेल्टोस पेट्रोल-ऑटोमैटिक ने अपने सेगमेंट में सबसे ज्यादा 79% वैल्यू को बरकरार रखा है, जो इसके शानदार ओनरशिप प्रस्ताव, लगातार बनी रहने वाली ग्राहक मांग और लंबे समय तक वैल्यू बनाए रखने की क्षमता को साबित करता है। इस स्टडी में सेल्टोस पेट्रोल-ऑटोमैटिक के पांच साल के मालिकाना हक के दौरान इसके लगातार मजबूत बने रहने वाले रीसेल वैल्यू प्रदर्शन को भी रेखांकित किया गया है, इस गाड़ी ने एक साल के बाद 79%, तीन साल के बाद 67% और पांच साल के मालिकाना हक के बाद भी अपनी 57% वैल्यू बरकरार रखी है। स्टडी के डेटा के आधार पर, पूरी सेल्टोस रेंज में इस मॉडल ने तीन साल के बाद औसतन 66% और पांच साल के बाद 55% वैल्यू बनाए रखी है, जोकि इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा है। इस उपलब्धि के बारे में किआ इंडिया के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट (मार्केटिंग एंड सेल्स), श्री अतुल सूद ने कहा, "सबसे ज्यादा रीसेल वैल्यू मिलना ग्राहकों के भरोसे, प्रोडक्ट की लोकप्रियता और लंबे समय तक गाड़ी रखने के विश्वास का सबसे स्पष्ट संकेत है। यह स्टडी किआ सेल्टोस के प्रति लोगों के लगातार बने रहने वाले आकर्षण को और मजबूत करती है। साथ ही, यह उस भरोसे को भी दिखाती है जो ग्राहक इसकी क्वॉलिटी, परफॉर्मेंस, टेक्नोलॉजी और संपूर्ण स्वामित्व अनुभव पर जताते आ रहे हैं। किआ में, हम ऐसे प्रोडक्ट्स देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो ग्राहकों के पूरे सफर के दौरान उनके लिए लगातार मूल्य बनाए रखें। भारत में अपनी पेशकश के बाद से ही, किआ सेल्टोस को इसके बोल्ड डिजाइन, एडवांस टेक्नोलॉजी, बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स और दमदार परफॉर्मेंस के लिए काफी पसंद किया गया है।

ईरान जंग से फ्री.. अब इन देशों को धमका रहे ट्रंप, कहा- 100% लगा देंगे टैरिफ!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान के साथ जंग रुकने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर टैरिफ को लेकर धमकी दे डाली है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जो देश अमेरिकी कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैस लगाएगा, उससे आने वाले सभी सामानों पर अमेरिका 100 फीसदी टैरिफ लगाएगा। ट्रंप ने यह धमकी तब दी है, जब एक दिन पहले ही ट्रंप ने यूरोपीय संघ के देशों को अमेरिकी सामानों पर टैरिफ कम करने के लिए 4 जुलाई की समय सीमा रखी थी। जिस कारण यूरोपीय देशों और अमेरिका के बीच व्यापार तनाव बढ़ गया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि कई यूरोपीय देश अमेरिकी कंपनियों पर डिजिटल सेवा टैक्स लागू करने पर चर्चा कर रहे हैं। इनमें से कुछ देश वास्तव में इसे लागू करने के करीब हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा टैक्स लगाने वाले किसी भी देश पर संयुक्त राज्य अमेरिका को भेजे जाने वाले सभी सामानों पर तुरंत 100 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि नया टैरिफ अमेरिका के साथ किसी भी व्यापार समझौते को कैंसिल कर देगा, चाहे वह लागू किया गया हो, साइन किया गया हो या नहीं। इसमें वह समझौता भी शामिल होगा जिस पर अमेरिका और यूरोपीय संघ ने पिछले साल सहमति जताई थी, जिसके तहत यूरोपीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ 15% तक सीमित कर दिया गया था। इसके बदले में यूरोपीय संघ के देशों ने अमेरिकी टेक्नोलॉजी चीजों पर टैरिफ घटाकर शून्य का दिया था। रॉयटर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि समझौते के तहत यूरोपीय संघ की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए ट्रंप ने यूरोप से आयातित वस्तुओं पर 25% टैरिफ फिर से लगाने की धमकी दी। इसके बाद यूरोपीय संघ के नेताओं ने ट्रंप द्वारा दी गई समय सीमा यानी 4 जुलाई तक बदलावों को लागू करने के लिए काम शुरू किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने पिछले सप्ताह जी7 शिखर सम्मेलन में ट्रंप से मुलाकात से पहले कहा था कि फ्रांस उनके दबाव में आकर अमेरिकी टेक दिग्गजों पर लगाए गए डिजिटल टैक्स को खत्म नहीं करेगा, जिन डिजिटल सेवाओं पर यह टैक्स लगता है, उनमें ऑनलाइन मार्केटप्लेस और एड शामिल हैं।

सोने की खदान का निजीकरण कितना सही? खत्म हो जाएगी गोल्ड की किल्लत! क्या है स्वर्णगिरी प्रोजेक्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ समय पहले अमेरिका और ईरान के युद्ध के चलते हो रही परेशानियों के चलते विदेशी मुद्रा की बचत के लिए देशवासियों से कुछ अपील की थी। जिसमें एक साल तक सोना न खरीदने और विदेश यात्रा पर न जाने जैसी अपील शामिल थी। जिसके बाद अचानक पूरे देश में सोने की खपत को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। अब जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त चुका है तो एक बार फिर भारत में सोने को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि इस बार चर्चा सोने की खपत या कीमतों को लेकर नहीं बल्कि देश के पहले प्राइवेट गोल्ड माइन खुलने को लेकर हो रही है। यह गोल्ड माइन आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले के जोन्नागिरी गांव में शुरू हुई है। जिसके बाद इस गांव का नाम स्वर्णगिरी पड़ गया। माना जा रहा है कि आंध्र प्रदेश के अलावा देश के कई और दूसरे राज्यों में भी जल्द ही ऐसी कई और प्राइवेट गोल्ड माइन खोले जाने का प्लान है। ऐसे में सवाल उठता है कि एक प्राइवेट कंपनी खदान से कितना सोना निकाल सकती है? गोल्ड माइन को लेकर क्या सरकारी नियम हैं? इससे देश में सोने के आयात पर कितना असर पड़ेगा? और जब भारत में सोने का भंडार मौजूद है तो फिर सरकार क्यों दूसरे देशों से सोना खरीदती है? स्वर्णगिरी आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले के जोन्नागिरी गांव में देश की पहली प्राइवेट गोल्ड माइन है। इसे करीब 400 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। शुरूआती सर्वेक्षणों में यहां 13 टन से अधिक सोने के भंडार की बात कही जा रही है, जबकि आगे की खोज के बाद इस आंकड़े के 42 टन तक पहुंचने की संभावना है। माना जा रहा है कि सरकार आने वाले दिनों में देश में ऐसे और प्राइवेट गोल्ड माइन को अपनी स्वीकृति दे सकती है। सरकार के पास इसे लेकर कोई नियम तो नहीं हैं, लेकिन किसी भी निजी कंपनी को अपनी इच्छा अनुसार सोना निकालने की इजाजत नहीं होती है। खनन की मात्रा उस भंडार पर निर्भर करता है जिसकी स्वीकृति सरकार द्वारा प्रमाणित और स्वीकृत किया गया हो। इसके बाद ही खनन की योजना तैयार की जाती है। जिसमें यह तय किया जाता है कि कंपनी हर साल कितना सोना खदान से निकाल सकती है।

अमेरिकन टूरिस्टर का हैरी पॉटर कलेक्शन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

दुनिया के सबसे बड़े ट्रैवल और लाइफस्टाइल बैग ब्रांड्स में से एक, अमेरिकन टूरिस्टर ने आज वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ग्लोबल कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। इसके तहत भारत में एक खास हैरी पॉटर कलेक्शन लॉन्च किया गया है। इस कलेक्शन में स्कूल बैग, सूटकेस, क्रॉसबॉडी बैग, डोरी वाले बैग और स्टेशनरी का सामान शामिल है। स्कूल का नया सत्र शुरू होने के साथ ही यह सामान अब सभी दुकानों और ऑनलाइन स्टोर्स पर मिलने लगा है। दो अलग-अलग उम्र के बच्चों के लिए बनाए गए इस कलेक्शन में '10 साल से कम' उम्र के बच्चों के लिए हॉगवट्र्स स्कूल की थीम वाले स्कूल बैग, लंच बैग, पेंसिल बॉक्स, डोरी वाले पाउच और मजबूत सूटकेस शामिल हैं। इसके साथ ही, 'शुरूआती और प्री-टीन' के लिए एक अलग रेंज में हॉगवट्र्स के अलग-अलग हाउसेस से प्रेरित साधारण और सुंदर डिजाइन वाले स्कूल बैग, क्रॉसबॉडी बैग, डोरी वाले बैग और सूटकेस दिए गए हैं। दोनों तरह की रेंज में हर सामान को इस तरह बनाया गया है कि वह काम का हो, मजबूत हो और बच्चों को अपनी पसंद दिखाने का मौका दे। इसमें हैरी पॉटर से प्रेरित शानदार ग्राफिक्स, सिलिकॉन के बने ज़िप पुलर्स और आपस में बदले जाने वाले वेल्क्रो हाउस बैज दिए गए हैं, ताकि बच्चे अपनी पसंद से इन्हें बैग पर लगा सकें। बच्चों की रेंज के कुछ खास प्रोडक्ट्स में क्विडिच थीम वाले स्टिकर्स और क्रुकशैंक्स बिल्ली वाले ज़िप चार्म्स भी शामिल हैं। इस कलेक्शन को और बेहतर बनाने के लिए मैचिंग के लंच बैग, पेंसिल बॉक्स, डोरी वाले बैग और क्रॉसबॉडी बैग भी दिए गए हैं। पहले से हैरी पॉटर को पसंद करने वाले और जो अब उन्हें जानने लगे हैं ऐसे नए बच्चे, दोनों ही स्कूल और यात्रा के लिए अपना पूरा मैचिंग सेट तैयार कर सकते हैं। इस कलेक्शन के बारे में बात करते हुए, अमेरिकन टूरिस्टर इंडिया की चीफ बिजनेस ऑफिसर, अनुश्री टैनवाला ने कहा, अमेरिकन टूरिस्टर में हमारा हमेशा से यह मानना रहा है कि एक बैग में सिर्फ सामान नहीं होता झ्र बल्कि आपकी भावनाएं भी होती हैं। हैरी पॉटर की दुनिया भारत के माता-पिता की पूरी एक पीढ़ी की बचपन की यादों से जुड़ी हुई है, और अब यह उनके बच्चों के लिए भी है। यह साझेदारी इस जुड़ाव को अगली पीढ़ी तक जादुई तरीके से पहुँचाने का हमारा एक जरिया है। चाहे स्कूल का पहला दिन हो या परिवार के साथ कोई छुट्टी, हम चाहते हैं कि इस बैग और सामान को ले जाने वाला हर बच्चा यह महसूस करे कि वह किसी बहुत ही खास और अनोखी जगह जा रहा है।

हिंदमाता एंकर रविवार को फ्रांस और सऊदी अरब में दो बड़े विमान हादसे हुए, इसमें करीब 25 लोगों की मौत हो गई है

दो देश, दो हादसे और 25 लोगों की मौत फ्रांस-सऊदी अरब में प्लेन क्रैश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

रविवार को फ्रांस और सऊदी अरब में दो बड़े विमान हादसे हुए। इसमें करीब 25 लोगों की मौत हो गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, रविवार को लोकल टाइम के हिसाब से सुबह करीब 11 बजे नैन्सी के पास फ्रांस के शहर टॉम्ब्लेन में स्काईडाइवर्स को ले जा रहा एक सिविलियन एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया, जिसमें सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि रविवार को सऊदी अरब के रास तनुरा में एक हेलीकॉप्टर क्रैश होने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। रॉयटर्स के अनुसार नैन्सी के पास फ्रांस के शहर टॉम्ब्लेन में स्काईडाइवर्स के पास एयरक्राफ्ट लोकल टाइम के हिसाब से सुबह करीब 11 बजे क्रैश हुआ, जिसमें सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पायलट और 10 पैसेंजर शामिल थे। इनमें पांच स्टूडेंट स्काईडाइवर्स और पांच इंस्ट्रक्टर थे। अधिकारियों ने रिस्पॉन्स ऑपरेशन शुरू किया और इमरजेंसी सर्विस क्रैश साइट पर पहुंच गईं। फ्रेंच डेली एल'एस्ट रिपब्लिकैं ने पहले बताया था कि क्रैश के समय एयरक्राफ्ट में स्काईडाइवर्स का एक ग्रुप था।

फ्रांस में प्लेन क्रैश में 11 की मौत

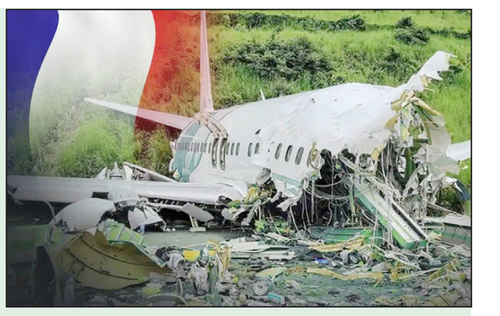

रीजनल ब्रॉडकास्टर फ्रांस 3 ग्रैंड एस्ट ने पहले क्रैश के बाद एयरक्राफ्ट में धमाके के बड़े खतरे की चेतावनी दी थी। पुलिस ने साल्वाडोर अलेंदे स्ट्रीट के आसपास के इलाके को घेर लिया और लोगों से दूर रहने की अपील की ताकि इमरजेंसी रिस्पॉन्डर्स और इन्वेस्टिगेटर्स को बिना किसी रुकावट के आने-जाने दिया जा सके। जब एयरक्राफ्ट क्रैश हुआ तो उसमें स्काईडाइवर्स का एक ग्रुप था। रिपोर्ट में कहा गया है कि फायरफाइटर्स, पुलिस और मेडिकल टीमों समेत इमरजेंसी सर्विसेज को बड़ी संख्या में क्रैश साइट पर तैनात किया गया था। अधिकारियों ने अभी तक बोर्ड पर सवार लोगों की पहचान की ऑफिशियली पुष्टि नहीं की है। वहीं, पुलिस ने लोगों से एयरपोर्ट के आसपास की सड़कों से बचने की अपील की ताकि इमरजेंसी गाड़ियां साइट तक पहुंच सकें। अधिकारियों ने क्रैश के तुरंत बाद संभावित धमाके के खतरे की भी चेतावनी दी, हालांकि कोई और जानकारी जारी नहीं की गई। क्रैश के हालात की जांच अभी भी चल रही है। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि एयरक्राफ्ट किस वजह से गिरा या मौसम या टेक्निकल दिक्कतों का इसमें कोई रोल रहा हो सकता है। यह क्रैश हाल के सालों में फ्रांस में हुए सबसे खतरनाक सिविलियन एविएशन एक्सीडेंट्स में से एक है।

सऊदी अरब में हेलीकॉप्टर क्रैश में 14 की गई जान

सऊदी अरब के रास तनुरा शहर में सऊदी अरामको का एक हेलीकॉप्टर क्रैश होने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई, यह जानकारी सरकारी न्यूज एजेंसी ने दी। सऊदी प्रेस एजेंसी के मुताबिक, क्रैश में मारे गए सभी लोग सऊदी नागरिक थे, जिसने अधिकारिक सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। सऊदी प्रेस एजेंसी के मुताबिक, रास तनुरा में हेलीकॉप्टर क्रैश का कारण अभी पता नहीं चला है, और जांच चल रही है। एक बयान में, सऊदी अरब के एनर्जी मंत्रालय ने कहा कि संबंधित अधिकारियों द्वारा क्रैश के पीछे के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं भी जताईं। मंत्रालय ने कहा, पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सच्ची सहानुभूति जताई गई है और मामले की जांच की जा रही है।

दैनिक ठाणे, सोमवार 29 जून, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर

क्या बनने जा रही है 'बाहुबली 3'?

एसएस राजामौली की साल 2015 में रिलीज 'बाहुबली' और 2017 में रिलीज 'बाहुबली 2ः द कन्क्लूजन' ने ने भारतीय सिनेमा की परिभाषा को इस कदर बदला कि आज एक दशक बाद भी बॉक्स ऑफिस पर इसके बनाए रिकॉर्ड्स को छू पाना नई फिल्मों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। 'बाहुबली' फ्रेंचाइजी ने न केवल फिल्ममेकिंग के स्केल को ऊंचा किया, बल्कि सुपरस्टार प्रभास को देश का पहला असली पैन-इंडिया स्टार बना दिया। फिल्म की इसी लेगेसी के कारण फैंस के मन में हमेशा एक सवाल गूंजता रहा है- क्या कभी 'बाहुबली 3' आएगी?

■ अब इस सवाल का ऐसा जवाब मिला है जिसने सिनेमा प्रेमियों के बीच हलचल तेज कर दी है। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर इस फ्रेंचाइजी के 10 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक खास डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'बाहुबली : द टॉर्चबेयरर' रिलीज की गई है। इस डॉक्यूमेंट्री में फिल्म की मेकिंग, वित्तीय संकट और शूटिंग के अनसुने किस्सों के बीच प्रभास और राणा दग्गुबाती ने कुछ ऐसा इशारा किया है, जिसे फैंस 'बाहुबली 3' का ग्रीन सिग्नल मान रहे हैं।

प्रभास का 'तीन उंगलियों' का इशारा

'बाहुबली : द टॉर्चबेयरर' के एक एपिसोड में जब पूरी स्टारकास्ट एक साथ बैठी थी, तब भल्लालदेव का किरदार निभाने वाले राणा दग्गुबाती ने मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने कहा कि मुझे नहीं पता कि मुझे यह बात सार्वजनिक रूप से कहनी चाहिए या नहीं, लेकिन चूंकि राजामौली और प्रोड्यूसर शोबू यार्लागड्डा यहां मौजूद नहीं हैं, इसलिए मैं अपने दिल की बात कह देता हूं। शायद दुनिया अभी इसके लिए पूरी तरह तैयार न हो, लेकिन बाहुबली में अभी बहुत कुछ आने वाला है। राणा ने जैसे ही अपनी बात अधूरी छोड़ी, उनके बगल में बैठे प्रभास ने मुस्कुराते हुए कैमरे की तरफ देखा और अपनी तीन उंगलियां हवा में उठा दीं। प्रभास के इस जेस्चर को देखकर सोफे पर बैठीं देवसेना यानी अनुष्का शेट्टी भी हंसने लगीं। इतना ही नहीं, डॉक्यूमेंट्री के अंत में 'एंड द लेगेसी कंटीन्यूज' लिखा आता है। सोशल मीडिया पर इस क्लिप के वायरल होते ही फैंस ने इसे 'बाहुबली 3 ऑफिशियली कंफर्म' मान लिया है। फिलहाल निर्देशक एसएस राजामौली अपने अगले मेगा-प्रोजेक्ट में व्यस्त हैं, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के साथ एक बड़े स्तर की एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। ऐसे में तुरंत किसी लाइव-एक्शन फिल्म की शूटिंग शुरू होना थोड़ा मुश्किल दिखाई देता है। मेकर्स की तरफ से भी अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। एसएस राजामौली पहले भी कई मौकों पर कह चुके हैं कि वह बाहुबली को केवल दो फिल्मों तक सीमित नहीं रखना चाहते थे। हॉलीवुड की तर्ज पर वह इसे एक बड़ी मल्टीमीडिया फ्रेंचाइजी में बदलना चाहते हैं। इसी कड़ी में मेकर्स ने 'बाहुबली : क्राउन ऑफ ब्लड' जैसी एनिमेटेड सीरीज और शानदार एनीमे प्रोजेक्ट 'बाहुबली : द एटर्नल वॉर - पार्ट 1' का टीजर भी पेश किया है।

दिशा पाटनी का सिजलिंग अंदाज

बॉलीवुड की सबसे फिट और ग्लैमरस अभिनेत्रियों में शुमार दिशा पाटनी अपने बोल्ड फैशन चॉइस के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है। इन तस्वीरों में दिशा ने एक बेहद अट्रैक्टिव रॉयल ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है। यह एक स्ट्रैपलेस कॉर्सेट स्टाइल मिनी ड्रेस है, जिस पर चमकीले बीड्स और सेक्विन का हैवी वर्क किया गया है।

■ डीप प्लंजिंग नेकलाइन वाली यह ड्रेस दिशा के टोंड फिगर और कर्व्स को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट कर रही है, जो उनके सिजलिंग अवतार में चार चांद लगा रही है। तस्वीरों में दिशा एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर और क्लीवेज फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। मेकअप की बात करें तो दिशा ने अपनी आंखों पर ड्रेस से मैच करता हुआ ग्लिटरी ब्लू आईशैडो और विंग्ड आईलाइनर लगाया है, जो उनकी आंखों को बेहद नशीला और अट्रैक्टिव लुक दे रहा है। इसके साथ ही न्यूड लिपस्टिक और सटल ब्लश के साथ उनका ओवरऑल फेस मेकअप फ्लॉलेस लग रहा है।

■ दिशा ने अपने लॉन्ग डार्क हेयर्स को मिडिल पार्टिंग के साथ सॉफ्ट वेव्स में खुला छोड़ रखा है, जो उनके कंधों पर बिखर कर उनके लुक को और भी ज्यादा ग्रेसफुल और सिडक्टिव बना रहे हैं। दिशा पाटनी का यह लेटेस्ट लुक इंटरनेट पर तेजी से ट्रेंड कर रहा है। फैंस कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट इमोजीस की बौछार कर रहे हैं। दिशा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जब बात मॉडर्न और बोल्ड फैशन की आती है, तो उनका कोई मुकाबला नहीं है।

गौतम गंभीर की जगह रिकी पोंटिंग बनेंगे टीम इंडिया के नए कोच!

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि उन्हें जब पता चला था कि श्रेयस अय्यर टी-20 टीम के कप्तान बने हैं, तो लगा था कि रिकी पोंटिंग अब हेड कोच बनेंगे। अय्यर लंबे समय से टी-20 टीम से बाहर थे और आयरलैंड के खिलाफ कप्तान के तौर पर डेब्यू करने से पहले उन्होंने आखिरी बार टीम इंडिया के लिए टी-20 क्रिकेट साल 2023 में खेला था। इसके बाद अय्यर ने कप्तान के तौर पर खुद को साबित किया और उनकी वापसी टीम में अब हो चुकी है। ऐसे में वॉन का मानना है कि अय्यर की वापसी के साथ उन्हें लगा था कि अब पोंटिंग टीम इंडिया के नए हेड कोच बनेंगे। उन्होंने इसका कारण पोटिंग और अय्यर के आईपीएल में कोच कप्तान के रूप में सफलता को बताया है। इस जोड़ी ने पंजाब को आईपीएल 2025 के फाइनल तक पहुंचाया था और इसी को देखते हुए वॉन ने बड़ा बयान दिया है।

माइकल वॉन ने दिया बड़ा बयान

अजिंक्य रहाणे के साथ यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए वॉन ने कहा कि जब मैंने पहली बार ये सुना तो लगा कि अब रिकी पोंटिंग कोच बनेंगे। वे दोनों एक जोड़ी के रूप में जाने जाते हैं। वो बहुत ही अच्छे खिलाड़ी और बेहतरीन कप्तान हैं। इससे ये भी पता चलता है कि भारतीय क्रिकेट में कितनी गहराई है। आप उस कप्तान को भी बाहर कर देते हैं, जिसने आपको अभी-अभी टी-20 विश्व कप में जीत दिलाई हो। मुझे नहीं लगता है कि ऐसा किसी और देश में होता होगा। पूर्व इंग्लिश कप्तान ने आगे कहा कि अगले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले अय्यर के लिए ये शानदार अवसर है। उन्हें पता है कि इंग्लैंड दौरे पर उनके पास एक बेहतरीन टीम है। ये भी मानना पड़ेगा कि भारत इस सीरीज को जीतने के लिए प्रबल दावेदार है। वे हमेशा ही सीरीज जीतने के लिए प्रबल दावेदार होते हैं क्योंकि वो दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम हैं। इंग्लैंड को उनसे मुकाबला करने के लिए अच्छा क्रिकेट खेलना होगा।

भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज

भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 सीरीज 1 जुलाई से खेली जानी है। दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज होगी। अय्यर की कप्तानी वाली टीम के पास बेहतरीन मौका है कि वे सीरीज में जीत हासिल करें।

रिलीज से पहले विवाद में फंसी 'ईठा'

अपनी रिलीज से पहले ही श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' विवाद में फंसती नजर आ रही है। एक तरफ जहां फिल्म के टीजर में लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर के रूप में श्रद्धा के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन की तारीफ हो रही है, वहीं दूसरी ओर इसके टाइटल को लेकर बहस छिड़ गई है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) ने सवाल उठाया था कि बायोपिक का नाम विठाबाई के नाम पर क्यों नहीं रखा गया। अब दिवंगत कलाकार के परिवार ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए कहा है कि जिस फिल्म में उनकी कहानी दिखाई जा रही है, उसमें उनका नाम ही सबसे प्रमुख होना चाहिए।

क्या है परिवार की मांग?

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) के फिल्म और सांस्कृतिक विभाग ने बायोपिक का नाम 'ईठा' (Eetha) रखने के मेकर्स के फैसले पर सवाल उठाए हैं। पार्टी का मानना है कि विठाबाई नारायणगांवकर के जीवन पर बनी फिल्म का नाम 'विठा' या 'विठाबाई' होना चाहिए था, ताकि इस महान लोक कलाकार को वह सम्मान मिल सके जिसकी वे हकदार हैं। NCP के फिल्म और सांस्कृतिक विभाग के महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष बाबासाहेब पाटिल ने कहा कि पार्टी विठाबाई की विरासत की रक्षा और सम्मान करना अपनी जिम्मेदारी मानती है। उन्होंने यह भी पूछा कि लावणी और तमाशा में कलाकार के इतने बड़े योगदान के बावजूद फिल्म का नाम उनके नाम पर क्यों नहीं रखा गया।

क्या बदल जाएगा फिल्म का नाम?

रिपोर्ट के अनुसार, विठाबाई नारायणगांवकर के परिवार ने भी फिल्म का नाम बदलने की मांग की है। उनके बेटे, कैलाश और राजेश नारायणगांवकर, और पोते मोहित नारायणगांवकर ने 'ईथा' नाम पर अपनी नाराजगी जाहिर की है और वे चाहते हैं कि फिल्म बनाने वाले अपने फैसले पर फिर से सोचें। अभी तक डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर और मैडॉक फिल्म्स ने इस विवाद पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

सैफ ने अक्षय को बताया बड़ा भाई

सैफ अली खान और अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म 'हैवान' में एक साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर सैफ ने बताया कि उनकी आने वाली फिल्म 'हैवान' उनकी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी बिल्कुल नहीं है।

अक्षय और 'हैवान' को लेकर सैफ की राय

एक खबर के अनुसार, सैफ ने बताया कि 'हैवान' में अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन के रोल में नजर आएंगे। सैफ उन्हें इस नए अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। सैफ ने अक्षय को अपने बड़े भाई जैसा बताया है। उनका कहना है कि दोनों की 30 साल पुरानी दोस्ती है, दोनों एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं और उनके बीच की केमिस्ट्री कमाल की है।

सेट पर खूब हुई मस्ती

भले ही फिल्म 'हैवान' की कहानी बहुत गंभीर है, लेकिन शूटिंग के दौरान अक्षय और सैफ कैमरे के पीछे खूब मजाक-मस्ती करते थे। उनकी इन शरारतों को देखकर निर्देशक प्रियदर्शन उन्हें अक्सर बच्चों की तरह डांटते भी थे। 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी पिछली फिल्मों में दोनों ने दर्शकों को खूब हंसाया था। लेकिन सैफ ने साफ किया है कि 'हैवान' कोई कॉमेडी फिल्म नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर कहानी पर आधारित है। आखिर में सैफ ने कहा कि अगर भविष्य में कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिली, तो वह अक्षय के साथ फिर से कोई कॉमेडी फिल्म जरूर करेंगे। फिलहाल दर्शकों को 'हैवान' में इन दोनों का एक बिल्कुल अलग और रोमांचक अंदाज देखने को मिलेगा।

कब रिलीज होगी 'हैवान'

'हैवान' का निर्देशक प्रियदर्शन कर रहे हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है। 'हैवान' में अक्षय कुमार और सैफ अली खान साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 11 सितंबर को रिलीज हो सकती है।

कंगना शर्मा ने ढाया कहर

अपनी हॉटनेस और बोल्ड अदाओं के लिए मशहूर अभिनेत्री कंगना शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। हाल ही में कंगना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। तस्वीरों में कंगना शर्मा चटक लाल रंग का रिब्ड शॉर्ट स्लीव क्रॉप टॉप पहने नजर आ रही हैं। इस टॉप की सबसे खास बात इसका फ्रंट 'कट-आउट' डिजाइन है, जो उनके लुक को बेहद बोल्ड और हॉट बना रहा है।

■ इस टॉप पर एक ब्लैक ट्राइबल-आर्ट मोटिफ भी बना है, जो इसे कूल लुक देता है। इसके साथ उन्होंने लाइट-ब्लू कलर की हाई-वेस्टेड, वाइड-लेग डेनिम जीन्स कैरी की है, जिसके साइड में रेड और व्हाइट पट्टियों का स्पोर्टी टच है। कंगना ने अपने लुक को और निखारने के लिए ऊपर से एक लॉन्ग रेड ओवरकोट भी कैरी किया है, जो उनके स्टाइल को लाउड और क्लासी बना रहा है। तस्वीरों में उनका ग्लैमरस और निडर अंदाज साफ देखा जा सकता है।

■ कंगना ने ग्लॉसी न्यूड लिप्स और न्यूट्रल टोन मेकअप के साथ एविएटर सनग्लासेस पहनी हुई है। चश्मे के ऊपर से उनकी तीखी निगाहें और कैमरे की तरफ देखने का अंदाज बेहद कॉन्फिडेंट और सिडक्टिव है। उनके बाल हल्के सुनहरे-भूरी शेड में हैं, जिन्हें वेवी टच देकर खुला छोड़ा गया है। यह सॉफ्ट कर्ल हेयरस्टाइल उनके चेहरे के कट को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट कर रहा है।

■ तस्वीरों में कंगना एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वह चश्मे को थोड़ा नीचे खिसकाकर कैमरे को घूरती हैं, तो कभी खिड़की के सहारे हाथ उठाकर अपनी टोंड मिडरिफ और कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट कर रही हैं। फैंस कंगना शर्मा की इन तस्वीरों पर दिल और फायर वाले इमोजी की बौछार कर रहे हैं। फैशन और बोल्डनेस के मामले में कंगना का यह लेटेस्ट फोटोशूट यकीनन इस सीजन के सबसे चर्चित लुक्स में से एक बन चुका है।

'मिर्जापुरः द मूवी' में सोनल चौहान की एंट्री

बहुप्रतीक्षित फिल्म मिर्जापुरः द मूवी का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसमें एक बार फिर दर्शकों को गैंगवार, एक्शन और ड्रामा से भरपूर कहानी की झलक मिली है। मुन्ना त्रिपाठी और गुड्डू पंडित के बीच की पुरानी दुश्मनी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटती नजर आती है, जिससे फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है।

सोनल चौहान का नया अवतार बना आकर्षण का केंद्र

टीजर में अभिनेत्री सोनल चौहान की झलक ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। वह एक बिल्कुल नए और रहस्यमयी अंदाज में नजर आती हैं। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान, भारी ज्वेलरी और ग्लैमरस लुक में उनका किरदार फिल्म में एक महत्वपूर्ण और सस्पेंस से भरी परत जोड़ता हुआ दिखाई देता है। उनकी एंट्री ने दर्शकों के बीच कई सवाल और उत्सुकता पैदा कर दी है।

बिंदू ने बिकिनी पहनने की मांग पर जताई आपत्ति

बॉलीवुड की एक्ट्रेस बिंदू ने 60 के दशक में अपने करियर की शुरुआत की थी और वो अपने समय की सबसे मशहूर और जानी-मानी एक्ट्रेस थीं। बिंदू ने इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं, इसी के साथ वो बड़े-बड़े स्टार्स के साथ भी काम कर चुकी हैं। अब हाल ही में उन्होंने अपने जीवन से जुड़ी कुछ अनसुनी बातें शेयर की हैं, जो शायद ही किसी को पता होंगी। उन्होंने अपनी एक्टिंग की करियर से जुड़ा एक किस्सा शेयर की कैसी उनकी वजह से 2 घंटे तक शूट रुका रहा था।

बिकिनी पहनने की मांग पर जताई आपत्ति

जोशीला फिल्म की शूटिंग से जुड़ा किस्सा याद करते हुए बिंदू ने बताया कि वर्ष 1973 में इस फिल्म की शूटिंग हुई थी। इस फिल्म में देव आनंद, हेमा मालिनी, राखी गुलजार जैसे और भी बड़े स्टार्स ने काम किया था। इसी के साथ अचानक उन्हें कहा गया कि एक शॉट के लिए आपको बिकनी पहननी पड़ेगी। यह सुनने के बाद वो काफी हैरान रह गईं क्योंकि उनको इस बात की बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि इसके बाद मैंने तुरंत शूटिंग रोक दी क्योंकि मैं बिकनी पहनने के लिए बिल्कुल भी कम्फर्टेबल नहीं थी। इस फिल्म की शूटिंग यश चोपड़ा कर रहे थे, तब मैंने उनसे कहा कि प्लीज... आपने मुझे इसके बारे में पहले कभी नहीं बताया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप